

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: बीफ बॉस :

दिल्ली में नवविवाहिता की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत

परिवार बोला- ये सुसाइड नहीं मर्डर है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की लोधी कॉलोनी में एक नवविवाहिता की मौत के मामले में नए खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक शनिवार को 28 साल की आकृति सुतार फ्लैट्स की तीसरी मंजिल से गिर गई थीं। अस्पताल में उनकी मौत हो गई। हालांकि परिवार इसे सुसाइड नहीं मर्डर बता रहा है। परिवार ने बताया कि, शनिवार को आकृति ने सिर्फ ऑफिस गई थीं, बल्कि उन्होंने अपने साथियों के लिए एक छोटी सी पार्टी भी दी थी। उनका कहना है कि यह डिप्रेशन का संकेत नहीं था। इसके अलावा, आकृति ने शाम करीब 6 बजे अपनी मां से बात की थी और उस समय वह बिल्कुल सामान्य लग रही थीं। उन्होंने पार्टी के बारे में बात की और कहा कि वह घर लौट रही हैं। फिर तीन घंटे बाद कोई सुसाइड कैसे कर सकता है।

पीओके में पाकिस्तानी फोर्स ने लोगों पर गोलियां चलाई

पाकिस्तान सरकार के खिलाफ 40 हजार प्रदर्शनकारी जुटे थे

पीओके, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में रविवार को जम्मू-कश्मीर जॉइंट अरामी एक्शन कमेटी (JAAAC) के शांतिपूर्ण प्रदर्शन रैली पर पाकिस्तानी फोर्स ने गोलियां चला दीं। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, JAAAC ने दावा किया कि अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब 40 हजार लोग जुटे थे। संगठन का आरोप है कि डुडियाल के AMB इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या या पाकिस्तान प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। JAAAC का कहना है कि यह प्रदर्शन इस्लामाबाद सरकार के खिलाफ है। साथ ही, यह आंदोलन JAAAC के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, प्रशासनिक विफलताओं और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर चल रहा है।

अब घर की रसोई में लौटेगी आयुर्वेद की पारंपरिक रेसिपी

एफएसएसआई ने जारी किया स्वस्थ व्यंजन संग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप स्वस्थ रहने के लिए आयुर्वेदिक खान-पान अपनाना चाहते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि कौन-सा भोजन कैसे बनाया जाए, तो अब यह काम आसान होने वाला है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने आयुर्वेद आहार व्यंजनों का संग्रह तैयार किया है। इसमें प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में दी गई सैकड़ों पारंपरिक रेसिपी को आधुनिक और व्यवस्थित रूप में पेश किया गया है। जारी की गई सूची में क्या? इस संग्रह में केवल भोजन पकाने का तरीका ही नहीं, बल्कि हर व्यंजन के साथ उसकी सामग्री, बनाने की विधि, आयुर्वेदिक गुण, लक्षण और स्वास्थ्यनिर्णायक की भी जानकारी दी गई है। अब तक यह जानकारी अलग-अलग संस्कृत ग्रंथों में बिखरी हुई थी, जिसे

राम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष बोले- चढ़ावा चोरी से आहत हूं: जिसने महापाप किया, उसे सजा मिलेगी

हाईकोर्ट से सीबीआई जांच की याचिका खारिज

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने सोमवार को लेटर जारी कर कहा- चोरी से मैं आहत हूं। जिसने भी यह पाप किया है, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा- मुझे पीएम मोदी और सीएम योगी पर भरोसा है कि जो भी इस पाप से जुड़ा है, उसे कड़ी सजा दिलाएंगे। यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था का प्रश्न है।

महंत नृत्य गोपाल दास के लेटर के बाद माना जा रहा था कि वह मीटिंग में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने बताया-ट्रस्ट अध्यक्ष मीटिंग में शामिल होंगे। हालांकि, लेटर जारी करने की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। इधर, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने चढ़ावा चोरी की CBI जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका पहले से लंबित है। लखनऊ के वकील मोहित अशोक ने 12 जून को याचिका दायित्व कर CBI से जांच की मांग की थी।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफा पर फैसला होगा। सूत्रों के मुताबिक, दोनों का इस्तीफा मंजूर होना तय है।

जगन्नाथ पुरी के राजा दिव्यसिंह की इस्कोन से अपील इस्कोन

गलत समय पर रथयात्रा न निकालें

» मंदिर प्रशासन का दावा- भारत से बाहर 70 शहरों में मनमर्जी चलाई

भुवनेश्वर , एजेंसी। पुरी के गजपति महाराज और श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिव्यसिंह देव ने इस्कोन से अपील की है कि वह गलत समय पर रथयात्रा न निकालें। इस्कोन यात्रा का आयोजन ऐसी तारीखों पर कर रहा है, जो शास्त्रों के अनुसार नहीं हैं। इससे भक्तों की भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने मायापुर में इस्कोन की गर्वनिर्वाह बॉडी कमीशन के चेयरमैन मधुसेविता दास प्रभु के नाम लिखे पत्र में अक्टूबर 2025 में लिए उस फैसले पर दोबारा विचार करने कहा है, जिसके तहत विदेशों में अलग-अलग समय पर रथ यात्रा निकाली जा रही है। एक दिन पहले ही केन्या की राजधानी नैरोबी में ISKCON ने रथयात्रा निकाली। 21 जून को लंदन में, 14 जून को न्यूयॉर्क सिटी में और 5 जुलाई को सिडनी में रथयात्रा निकाली गई। गौरतलब है कि इस साल, स्नान पूर्णिमा 29 जून को थी और मुख्य रथयात्रा 16 जुलाई को होगी। रथयात्रा हिंदू कैलेंडर के मुताबिक हमेशा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि पर होती है। इधर, पुरी में तीनों रथों के निर्माण का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। यहां बर्द्ध, सहायक और पेंटर समेत करीब 220 कारीगर दिन-रात रथ तैयार करने में जुटे हैं।

महाराष्ट्र में 3 दिन से बारिश, रेलवे ट्रैक, एक्सप्रेस-वे बंद

लोगों को घर में रहने की सलाह; जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में लैंडस्लाइड, गाड़ियां दबीं

कैसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। मुंबई में कल से 75 किमी./घंटा की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं, 142 पेड़ उखड़ गए। BMC ने आज सरकारी, प्राइवेट और नगर निगम के सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है। वहीं, मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द हुईं। लोगों से घर में रहने की अपील की गई है। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड हो गई। 6-7 गाड़ियां मलबे में दब गईं। मलबा हटाने का काम जारी है।

कांग्रेस में झगड़ा, सांसद रंधावा चन्नी के समर्थन में उतरे

पंजाब प्रभारी के आने से पहले फोटो जारी की, इसमें प्रगट-गिलजियां भी

प्रधान वड़िग साथ नहीं

लुधियाना, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में पार्टी प्रभारी भूपेश बघेल के चंडीगढ़ पहुंचने से पहले टूट का खतरा और बढ़ गया है। कुछ दिन पहले अमित शाह से मिलकर लोटे गुरदासपुर से कांग्रेस के सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा पूर्व छरू चरणजीत चन्नी के हक में उतर आए हैं। मोहाली में उन्होंने नेताओं के साथ मीटिंग की। जिसमें जालंधर के कैप्टन खरगट सिंह व नए वकिंग प्रधान संगत सिंह गिलजियां भी पहली बार चन्नी के साथ नजर आए। रंधावा और चन्नी ने अपने सोशल मीडिया पर इनके फोटो व वीडियो जारी किए हैं। इनमें चन्नी के साथ सांसद रंधावा, विधायक बरिंदरमोत सिंह पाहड़ा, विधायक प्रगट सिंह, विधायक तुष राजिंदर सिंह बाजवा, संगत सिंह गिलजियां, पूर्व मंत्री भारत भूषण आरू और पूर्व विधायक कुशलदीप सिंह ढिल्लों समेत अन्य नेता नजर आ रहे हैं। फैशन में 'यूनिटो इज स्टैंड' लिखा है। इस फोटो में पार्टी के पंजाब प्रधान राजा वड़िग नहीं है।

समझना आम लोगों के लिए बहुत मुश्किल था। इसके अलावा चिकित्सक, छात्र और शोधकर्ता भी इसका बेहतर इस्तेमाल कर सकेंगे। संग्रह में केवल औषधीय पेय ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा के कई प्रकार के व्यंजन शामिल हैं। इनमें दही आधारित रेसिपी, सत्तू के अलग-अलग प्रकार, चावल की पेज और दलिया, छाछ, जौ, दूध, तिल व अदरक जैसी सामान्य सामग्री से बनने वाले पकवान शामिल हैं।

वक्फ बोर्ड में 2 हिंदू सदस्य, मुस्लिमों का प्रदर्शन

कहा-हमने कभी अयोध्या-मथुरा की कमेटियों में जगह नहीं मांगी

» सारंग बोले-धर्म के वशमे से न देखें

भोपाल, एजेंसी। देश में पहली बार किसी राज्य के वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम (हिंदू) सदस्यों की नियुक्ति हुई है। मध्यप्रदेश सरकार ने वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन कर इंदौर के मनोज मालपानी और गुना के राधोगढ़ निवासी अनिमेष भार्गव को सदस्य बनाया है। सनवर पटेल को दोबारा बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड में दो

'बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति उचित नहीं' ... ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा कि वक्फ मुस्लिम समाज की धार्मिक और सामाजिक संस्था है, जहां लोग अपनी संपत्ति अल्लाह की रजा के लिए वक्फ करते हैं।

गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल किए जाने के विरोध में सोमवार को भोपाल के बुधवारा चौराहे पर ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य

प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से निर्णय वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि इससे मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग 90% गायब, ऊंचाई एक फीट बची

=3 दिन में 56000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए- यह आंकड़ा पिछले साल से 18% ज्यादा

श्रीनगर, एजेंसी। अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार एक फीट रह गया है। सोमवार को एक फीट के बाबा बर्फानी की फोटो सामने आई। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले 3 दिनों में 56 हजार से ज्यादा तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले साल से 18.6% ज्यादा रहा। 2025 में पहले तीन दिन में 47,972 श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। 23 मई को 7 फीट का था शिवलिंग: 23 मई को BSF के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90% गायब हो चुका है। 48 किमी लंबे नूनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। ऐसे में अगर कोई यात्री बिना रजिस्ट्रेशन बालटाल या पहलगाम रूट से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो उसे चेक पॉइंट्स पर रोक दिया जाएगा। उसे 9 जुलाई के बाद ही आगे बढ़ने दिया जाएगा।

झारसुगुड़ा में पति बाइक पर बांधकर लाया पत्नी का शव

परिजन का आरोप: स्वास्थ्य केंद्र ने घंटों इंतजार करवाया, न शव वाहन दिया, न एंबुलेंस

झारसुगुड़ा, एजेंसी। ओडिशा के झारसुगुड़ा में एक व्यक्ति पत्नी के शव को बाइक पर लाने मजबूर हो गया। लाइकेरा ब्लॉक के उडियापाली गांव में रहने वाले नरेश छत्रिया की पत्नी जमुना की मौत मुद्रजोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हो गई थी। नरेश जमुना की तबीयत बिगड़ने पर उसे डॉक्टर के पास ले गया था। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नरेश ने शव को घर ले जाने के लिए एंबुलेंस मांगी, लेकिन काफी इंतजार के बाद भी उसे शव वाहन नहीं मिला। मजबूरन नरेश, अपने पड़ोसी की बाइक पर पत्नी के शव को रखकर घर लेकर आया। मुद्रजोरा CHC से लेकर ओडियापाली गांव की दूरी लगभग 5 किमी है। शनिवार 4 जुलाई को हुए इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सामने आया है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द, 217 लैंड हुईं... बारिश का असर मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी दिखा। रविवार रात 12 बजे से सोमवार सुबह 11:30 बजे के बीच 17 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। वहीं, आने और जाने वाली 217 उड़ानें तय समय से देरी से चलीं। इससे एयरपोर्ट पर यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। पुणे में लैंडस्लाइड, मलबे में दबने से 1 की मौत... महाराष्ट्र के पुणे जिले की मावल तहसील के पाटन गांव में सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। पहाड़ी का मलबा एक घर पर गिरने से उसमें रहने वाला परिवार दब गया। अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि दो अन्य के मलबे में फंसे होने की आशंका है।

गुजरात में शेरनी का किसान पर हमला

हाथ जबड़े में आधे घंटे पकड़े रही, फिर छोड़ा; पहले एक और व्यक्ति पर भी हमले की कोशिश की

भावनगर, एजेंसी। गुजरात के भावनगर जिले के पालीताना तालुका में 6 जुलाई की सुबह शेरनी ने किसान पर हमला कर दिया। हमले में किसान घायल हो गया। उसे इलाज के लिए पालीताना सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे भावनगर ले जाया गया। घटना गर्जिया गांव में सुबह 10:30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाते जा रहा था। तभी वीडियो वायरल है। शेरनी ने इसके पहले एक और व्यक्ति पर हमले की कोशिश की लेकिन उसने भाग कर खुद को घर में बंद कर लिया। घायल किसान बोला- शेरनी ने मुझे करीब आधे घंटे तक पकड़े रखा: शेरनी के हमले में घायल किसान कालूभाई बोगभाई परमार ने बताया कि मैं सुबह 10:30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाते जा रहा था। तभी वीडियो में बैठे शेरनी ने अचानक मुझ पर हमला कर दिया। पहले उसने मेरी पीठ पर वार किया और मुझे गिरा दिया, फिर उसने मेरा हाथ अपने मुंह में पकड़ लिया। उसने मुझे करीब आधे घंटे तक पकड़े रखा। मैंने अपनी रक्षा के लिए शेरनी को खरोचा, जिससे उसने मेरा हाथ छोड़ दिया। मैं तुरंत वहां से भागा। इसके बाद शेरनी मेरी गाय के पीछे चली गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि शेरनी जमीन पर बैठी है और आदमी को दबाए हुए है। शेरनी ने आदमी के पैर पर काट लिया। आदमी अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। लोगों ने शेरनी पर पत्थर फेंके।

जम्मू कश्मीर में अगले सप्ताह तक बारिश का दौर जारी, भारी वर्षा की चेतावनी

जम्मू, एजेंसी। अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज बदलता रहेगा। गर्मी और उमस के बीच प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों ने विशेष रूप से 6 और 7 जुलाई को जम्मू संभाग के कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश और अल्प अवधि की तीव्र वर्षा को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। पूर्वानुमान के अनुसार जम्मू संभाग के बिछारे हुए क्षेत्रों तथा कश्मीर संभाग के कुछ स्थानों पर देर रात और तड़के हल्की से मध्यम बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। जम्मू और रियासी जिलों के कुछ इलाकों में तेज बारिश और गरज-चमक की संभावना भी बनी हुई है।

मौसम गर्म और उमस भरा रहेगा: 6 से 8 जुलाई के दौरान



मौसम गर्म और उमस भरा रहेगा, लेकिन जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में एक या दो दौर की हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। जम्मू संभाग में विशेषकर देर दोपहर शाम और देर रात के समय बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश और तेज गरज-चमक भी देखने को मिल सकती है। 9 से 11 जुलाई के बीच भी प्रदेश में इसी तरह का मौसम बना रहने का अनुमान है। कई स्थानों पर

हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ इलाकों में तेज बौछारें और गरज-चमक हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि 6 और 7 जुलाई को कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण स्थानीय स्तर पर अचानक बाढ़, फ्लैश फ्लड, भूस्खलन और मलबा गिरने जैसी घटनाएं हो सकती हैं। लोगों से कहा गया है कि वे बारिश के दौरान नालों, बरसाती धाराओं और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें।

● मौसम सामान्य से गर्म बना रहा

रविवार को जम्मू-कश्मीर के अधिकांश क्षेत्रों में मौसम सामान्य से गर्म बना रहा। जम्मू का अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 27.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 19.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि बटोत में अधिकतम 28.7 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 19.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। भद्रवाह का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 18.7 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, श्रीनगर में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। काजीगुंड में अधिकतम तापमान 33.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 17.0 डिग्री सेल्सियस रहा। पर्यटन स्थल पहलगाम में अधिकतम तापमान 28.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 13.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। तापमान के इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जम्मू संभाग के मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का असर बना हुआ है, जबकि कश्मीर घाटी और ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहा।

पंजाब कांग्रेस का डैमेज कंट्रोल चंडीगढ़ पहुंचेंगे भूपेश बघेल, चन्नी-वडिंग विवाद सुलझाने की कोशिश

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में विधानसभा चुनाव से पहले उभरी अंदरूनी खींचतान को शांत करने के लिए पार्टी हाईकमान ने सक्रियता बढ़ा दी है। पंजाब मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल सोमवार दोपहर तकरीबन 3 बजे चंडीगढ़ पहुंचेंगे। सूत्रों के अनुसार वह अगले करीब पांच दिनों तक पंजाब में रहकर पार्टी नेताओं से अलग-अलग बैठकें करेंगे और विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा करेंगे। पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मैं पंजाब दौरे पर जा रहा हूं। चुनाव को लेकर कांग्रेस की ओर से कमेंटियां गतिवर्ती की जा चुकी हैं। युथ कांग्रेस के चुनाव भी हो चुके हैं। पंजाब के सभी साथियों से



संगठन मजबूत करने पर हाईकमान का फोकस

बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व फिलहाल चुनाव समिति में किसी तरह के बदलाव के पक्ष में नहीं है। पार्टी का फोकस संगठन को एकजुट कर विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देना है। इस बीच एआईसीसी के पंजाब के तीन सह प्रभारी हीना कावरे, रविंदर डलवी और सूरज ठाकुर भी चंडीगढ़ पहुंच रहे हैं। सभी नेता प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक हालात और संगठन की स्थिति का प्रीछेक लेंगे। हाईकमान मतभेद दूर करने में जुटा: सूत्रों के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग ने चुनावी रणनीति को लेकर नेताओं से वन-टून-वन मुलाकातों का दौर शुरू कर दिया है।

मिलकर चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव समिति के गठन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और उनके समर्थक नेताओं की नाराजगी के बीच हाईकमान डैज कंट्रोल में जुटा है। इसी क्रम में भूपेश बघेल सबसे पहले चन्नी और कुछ वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे।

बंगाल चुनाव में निर्वाचन आयोग के विरुद्ध दर्ज हुए सौ से अधिक मामले



कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में हाल में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग (ईसी) के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में 110 याचिकाएं दायर की गईं, लेकिन कोर्ट ने आयोग के सभी फैसलों को सही ठहराया। इस अहम राज्य में अप्रैल में दो चरणों में चुनाव हुए थे, जिसमें भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को खत्म किया और पहली बार सरकार बनाई। चुनाव में

तृणमूल और निर्वाचन आयोग के बीच तनावनी बनी रही। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि 15 मार्च को चुनावों की घोषणा से लेकर पूरी प्रक्रिया खत्म होने तक चुनाव आयोग और उसके फैसलों के खिलाफ कुल 110 मामले दर्ज किए गए। अधिकारी ने कहा कि इनमें से किसी भी मामले में चुनाव आयोग के खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश नहीं आया। इस चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को कड़ी जांच, कानूनी चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। खासकर राज्य की तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी तृणमूल की ओर से। विपदलों ने चुनाव आयोग पर भाजपा की मदद के लिए पक्षपाती चुनाव कराने का आरोप लगाया था।

खामेनेई की अंतिम विदाई समारोह में भारत की मौजूदगी पर ईरान ने जताया आभार

तेहरान, एजेंसी। ईरान दूतावास ने रविवार को पूर्व ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लेने के लिए भारत सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। ईरान ने कहा कि यह भाव दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को दिखाता है। ईरानी दूतावास ने क्या कहा ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'भारत गणराज्य में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास भारत की मित्रता सरकार और जनता, विशेष रूप से भारत सरकार और जनता की ओर से उपस्थित आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के प्रति हार्दिक आभार और प्रशंसा व्यक्त करता है। जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के शहीद नेता, महामहिम अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।' ईरान के लोग क्या नहीं भूलेंगे: भारत की भागीदारी की सराहना करते हुए दूतावास ने कहा, ईरान के लोग मित्रता, करुणा और हार्दिक सम्मान के इस भाव को कभी नहीं भूलेंगे। वे इसे इस्लामी गणराज्य ईरान और भारत गणराज्य के बीच अटूट संबंधों का एक अनमोल प्रमाण और हमारे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता को और मजबूत करने के लिए एक अहम आधार मानते हैं।' पोस्ट में आगे कहा गया कि भारत में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास एक बार फिर उन सभी भारतीय अधिकारियों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों और भारत के नेक लोगों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है, जो इस दुख की घड़ी में ईरान के लोगों के साथ खड़े रहे और उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की। भारत की ओर से कौन शामिल हुआ: विदेश मामलों की राज्य मंत्री पबित्रा मारगेरिट और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने तेहरान में आयोजित अंतिम विदाई समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुरशीद, जो अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे। उन्होंने खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, जम्मू और कश्मीर पोपुलर्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जो अंतिम संस्कार में शामिल हुईं, उन्होंने भी ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की। हमबूबा मुफ्ती ने क्या कहा उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा 'तेहरान से विदा लेते समय, इस गहरे दुख और शोक की घड़ी में मेरी संवेदनाएं यहां के साहसी नेतृत्व और जुझारू जनता के साथ हैं। हम हमेशा आपके साथ खड़े रहेंगे। ईरानी सरकार का हार्दिक आभार, जिन्होंने इतनी उदारता और गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया। यहां आना मेरे लिए सम्मान की बात है।

हिमाचल के सेब उत्पादन पर मौसम की मार, 2.63 लाख मीट्रिक टन घट सकती है प्रोडक्शन, विशेषज्ञों की क्या है सलाह

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में इस बार बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि ने सेब सहित गुठलीदार फलों की फसल को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। मौसम की बेरुखी का असर अब प्रदेश के संभावित फल उत्पादन के आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है। पिछले वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 6.99 लाख मीट्रिक टन सेब उत्पादन हुआ था, जबकि इस बार इसके घटकर करीब 4.36 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान है। यानी पिछले वर्ष की तुलना में करीब 2.63 लाख मीट्रिक टन कम सेब उत्पादन हो सकता है। करीब पांच हजार करोड़ रुपये की सेब अर्थव्यवस्था वाले प्रदेश में उत्पादन में संभावित बड़ी गिरावट ने बागवानों की चिंता बढ़ा दी है।

मौसम ने पहुंचाया सीधे नुकसान: प्रदेश के बागवानों का कहना है कि इस बार मौसम ने शुरूआत से ही साथ नहीं दिया। बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि के कारण कई क्षेत्रों में फसल को सीधा नुकसान पहुंचा, जबकि गुठलीदार फलों की पैदावार भी प्रभावित हुई है।

उत्पादन लागत बढ़ी: दूसरी ओर कीटनाशकों, फफूंदनाशकों और बागवानी में इस्तेमाल होने वाले मशीनी उपकरणों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इससे उत्पादन लागत बढ़ गई है, लेकिन कम फसल के कारण आमदनी घटने की आशंका है। बागवानों के अनुसार अब परिवार का खर्च चलाना तक मुश्किल हो रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि सिंचाई सुविधाएं प्रत्येक बागवान तक पहुंचाई जाएं और फसल बीमा योजना की जानकारी जमीनी स्तर तक दी जाए।

सेब सहित गुठलीदार फलों का उत्पादन भी कम: बागवानी विभाग का कहना है कि हिमाचल को फल राज्य के रूप में जाना जाता है। प्रदेश में करीब 2.37 लाख हेक्टेयर भूमि पर फलों की खेती होती है, इसमें लगभग 49 प्रतिशत क्षेत्र सेब के अधीन है और करीब 1.16 लाख हेक्टेयर भूमि पर सेब की खेती की जा रही है। प्रदेश के करीब साढ़े चार लाख बागवान प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सेब बागवानी से जुड़े हैं। विभाग के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस बार सेब उत्पादन करीब 4.36 लाख मीट्रिक टन रह सकता है। गुठलीदार फलों का उत्पादन भी पिछले वर्ष की तुलना में कम है। हालांकि बाजार में इनके दाम बेहतर मिल रहे हैं, लेकिन कम पैदावार के कारण बागवानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। वैश्विक तापमान वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में बदलाव बागवानी के लिए चुनौती बन रहा है। विभाग बागवानों को अधिक घनत्व वाली बागवानी अपनाने और उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के पौधे लगाने की सलाह दे रहा है। साथ ही बागवानों से फसल बीमा करवाने का भी आग्रह किया गया है, ताकि प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की स्थिति में कुछ आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

न्यूयॉर्क के कोनी आइलैंड में अंधाधुंध फायरिंग, चार बच्चों समेत आठ घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना हुई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रुकलिन के कोनी आइलैंड इलाके में चार जुलाई की एक पार्टी चल रही थी। इसी दौरान एक बंदूकधारी ने फायरिंग कर दी। इस घटना में चार बच्चों समेत कम से कम आठ लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने इसकी जानकारी दी।

कैसे हुई घटना: सीएनएन के मुताबिक, यह घटना शनिवार रात करीब 10:35 बजे हुई। काले कपड़े और काले रंग का स्की मास्क पहने एक अज्ञात व्यक्ति वहां आया। वह सर्फ एवेन्यू के पास बाड़ के करीब पहुंचा। इसके बाद उसने घर के आंगन में कई राउंड गोлияयां चलाईं। वहां एक परिवार जड़न मना रहा था। गोली चलाने के बाद हमलावर पैदल ही वहाँ से फरार हो गया। एनवाईपीडी कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची। वहां आठ लोगों को गोली लगी थी। घायलों में 6, 7, 12 और 14 साल के चार लड़के शामिल हैं। इसके अलावा 21 और 25 साल की दो महिलाएं और 33 और 37 साल के दो पुरुष भी घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि 21 साल की महिला और 33 साल के पुरुष की छाती में गोली लगी है। छह साल के बच्चे के पेट में गोली लगी है। बाकी तीन बड़े लड़कों के पैर या जांच में गोली लगी है। 21 साल की महिला की हालत गंभीर है। बाकी सात लोगों की हालत स्थिर है।

क्या बोले न्यूयॉर्क के मेयर: न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इस घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि शहर में ऐसी हिंसा की कोई जगह नहीं है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शहर को सुरक्षित बनाने का वादा किया। अधिकारियों ने अभी तक घायलों की पहचान नहीं बताई है। हमले का



लगी है। बाकी तीन बड़े लड़कों के पैर या जांच में गोली लगी है। 21 साल की महिला की हालत गंभीर है। बाकी सात लोगों की हालत स्थिर है।

क्या बोले न्यूयॉर्क के मेयर: न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इस घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि शहर में ऐसी हिंसा की कोई जगह नहीं है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शहर को सुरक्षित बनाने का वादा किया। अधिकारियों ने अभी तक घायलों की पहचान नहीं बताई है। हमले का

नाटो की बैठक से पहले रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, मिसाइल-ड्रोन अटैक में सात लोगों की मौत

मॉस्को, एजेंसी। नाटो शिखर बैठक से ठीक पहले रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इस हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कई रियायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है और मलबे में लोगों के फंसे होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान जारी है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने एक साथ कई तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि शहर के कम से कम दो जिलों में मलबा गिरने से आग लग गई और नुकसान हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी। हालांकि शुरुआती जानकारी में किसी नए बड़े जनहानि के आंकड़े जारी नहीं किए गए। इससे पहले भी पिछले सप्ताह रूस ने कीव पर बड़ा हमला किया था, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हुई थी। जेलेंस्की ने पहले ही बड़े हमले की चेतावनी क्यों दी थी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी

यूक्रेन की राजधानी पर रूस का बड़ा प्रहार

जेलेंस्की ने कुछ घंटे पहले ही दी थी चेतावनी

मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके



इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया।

नाटो शिखर सम्मेलन से पहले यह हमला कितना अहम: यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति

जॉन किस दिशा में बढ़ रही रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सेन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है। पिछले कुछ सप्ताह में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के रणनीतिक ठिकानों को लगातार निशाना बनाया है।

क्या ट्रंप और पुतिन की बातचीत का असर दिखेगा: चार जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच करीब 90 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई थी। रूस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ट्रंप ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने में मदद की पेशकश की थी। हालांकि बातचीत के कुछ ही दिनों बाद कीव पर हुए ताजा हमले ने संकेत दिया है कि फिलहाल युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। अब सभी की नजर नाटो शिखर सम्मेलन पर रहेगी, जहां यूक्रेन संकट को लेकर आगे की रणनीति और सहयोग पर अहम फैसले लिए जा सकते हैं।

रीवा में डिजिटल इंडिया की खुली पोल ! पंजीयक कार्यालय व कलेक्ट्रेट का सर्वर घंटों ठप, धूप में परेशान होते रहे सैकड़ों



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। जिले में सोमवार को डिजिटल इंडिया की व्यवस्थाओं की बड़ी खामी सामने आई जब जिला पंजीयक कार्यालय और कलेक्ट्रेट से जुड़ी ऑनलाइन सेवाओं का सर्वर घंटों तक ठप रहा। तकनीकी खराबी के कारण दस्तावेजों का पंजीयन, रजिस्ट्री, नामांतरण, प्रमाण पत्र जारी करने सहित कई महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो गईं इस दौरान दूर-दराज से आए सैकड़ों नागरिकों को घंटों तक कार्यालयों में इंतजार करना पड़ा जबकि भीषण गर्मी और उमस ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी। सुबह से ही पंजीयक कार्यालय में बड़ी संख्या में लोग अपने दस्तावेजों के पंजीयन और रजिस्ट्री के लिए निर्धारित समय पर पहुंचे थे लेकिन सर्वर में आई तकनीकी समस्या के चलते ऑनलाइन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी जैसे-जैसे समय बीतता गया कार्यालय परिसर में भीड़ लगातार बढ़ती गई और लोगों का धैर्य जवाब देने लगा कई नागरिकों ने बताया कि वे ग्रामीण क्षेत्रों से किराया खर्च कर रीवा पहुंचे थे लेकिन पूरे दिन इंतजार करने के बाद भी उनका काम नहीं हो सका। इसी तरह कलेक्ट्रेट से जुड़ी कई ऑनलाइन सेवाएं भी पूरी तरह बाधित रहें राजस्व विभाग से संबंधित कार्य, नामांतरण, ऑनलाइन आवेदन, प्रमाण पत्र जारी करने जैसी सेवाओं पर भी असर पड़ा इस दौरान लोगों को बार-बार संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से जानकारी लेनी पड़ी लेकिन लंबे समय तक स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका कि सेवाएं कब तक सामान्य होंगी। परेशान नागरिकों का कहना है कि सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया के तहत सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है ताकि लोगों को त्वरित और पारदर्शी सुविधा मिल सके, लेकिन बार-बार सर्वर ठप होने से आम जनता को उल्टा परेशान होना पड़ रहा है। उनका कहना है कि पहले मैनुअल व्यवस्था में काम भले धीमा होता था लेकिन अधिकांश कार्य समय पर पूरा हो जाता था अब तकनीकी निर्भरता बढ़ने के साथ सर्वर डाउन जैसी समस्याएं आम लोगों के लिए बड़ी बाधा बन गई हैं। कई नागरिकों ने यह भी सवाल उठाया कि यदि डिजिटल सेवाओं के लिए पर्याप्त तकनीकी ढांचा और बैकअप व्यवस्था नहीं है तो ऐसी समस्याएं बार-बार क्यों सामने आ रही हैं लोगों ने मांग की कि सर्वर बंद होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था तैयार की जाए ताकि आवश्यक सेवाएं पूरी तरह बाधित न हों और लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े मामले पर संबंधित अधिकारियों ने बताया कि सर्वर में तकनीकी खराबी आ गई थी जिसके कारण ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित हुईं उन्होंने कहा कि तकनीकी टीम द्वारा समस्या को ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है और सेवाओं को जल्द सामान्य करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि लंबे समय तक सेवाएं बाधित रहने से कार्यालयों में भीड़ और

सीधी कन्या महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं का इंडक्शन कार्यक्रम, सुरक्षित व रैंगिंग मुक्त वातावरण पर जोर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में नेशनल टास्क फोर्स समिति के तत्वावधान में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालय के सुरक्षित, समावेशी एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना तथा उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करना था कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. नामदेव ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महाविद्यालय केवल उच्च शिक्षा का केंद्र नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास के विकास और जीवन मूल्यों के संवर्धन का सशक्त मंच भी है उन्होंने कहा कि संस्थान का प्रयास है कि प्रत्येक नवप्रवेशित छात्रा एक सुरक्षित, सम्मानजनक और रैंगिंग मुक्त वातावरण में अपनी शैक्षणिक यात्रा प्रारंभ करे मुख्य वक्ता डॉ. ज्योति मिश्रा ने छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सशक्तिकरण और सकारात्मक जीवन दृष्टि के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ केवल मानसिक बीमारी का अभाव नहीं है बल्कि यह भावनात्मक और सामाजिक रूप से संतुलित जीवन जीने की क्षमता भी है उन्होंने छात्राओं को तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास बढ़ाने और जरूरत पड़ने पर परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को एंटी रैंगिंग नियमों, कानूनी प्रावधानों और रैंगिंग के दुष्परिणामों की जानकारी भी दी गई साथ ही महाविद्यालय परिसर को पूर्णतः रैंगिंग मुक्त बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया छात्राओं को कार्डसलिंग व्यवस्था, शिकायत निवारण तंत्र, महिला प्रकोष्ठ, एंटी रैंगिंग समिति एवं अन्य सहायता प्रकोष्ठों को कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर बिना किसी संकोच के इन सुविधाओं का लाभ ले सकें कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार सोनी ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

तरक्की से जलन में दो दोस्तों ने की सिक्वोरिटी गार्ड की हत्या, रीवा पुलिस ने किया खुलासा

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। सिटी कोतवाली पुलिस ने सिक्वोरिटी गार्ड की हत्या के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस के अनुसार मृतक के ही दो दोस्तों ने उसकी तरक्की और कंपनी में बढ़ते प्रभाव से जलन के चलते उसकी हत्या की साजिश रची थी बाद में उसे उत्तर प्रदेश के जंगल में ले जाकर गला घोटकर मौत के घाट उतार दिया गया। जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली क्षेत्र के निपानिया मोहल्ला निवासी अनूप सेन सिक्वोरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत था वह 18 मई को अचानक लापता हो गया था, जिसके बाद परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज की गई पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में तलाश अभियान शुरू किया। इसी दौरान उत्तर प्रदेश के महुरिया जंगल में एक नर कंकाल मिलने की सूचना मिली जांच और पहचान के बाद उसकी पुष्टि अनूप सेन के रूप में हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की साजिश अनूप के दो दोस्तों यशवंत चतुर्वेदी (निवासी नीरी, उत्तर प्रदेश) और पंकज शुक्ला (निवासी इटमा, उत्तर प्रदेश) ने मिलकर रची थी दोनों आरोपी आपस में जीजा-साले बताए जा रहे हैं। पृष्ठलाभ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि तीनों एक ही कंपनी में सिक्वोरिटी गार्ड का काम करते थे लेकिन अनूप की कंपनी में पकड़ मजबूत हो गई थी और वह गार्ड उपलब्ध कराने के कार्य में भी सक्रिय हो गया था।

सीधी में समय-सीमा समीक्षा बैठक : सीएम हेल्पलाइन, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा पर कलेक्टर सख्त, बोले- शासन की प्राथमिकताओं पर समयबद्ध करें काम



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में शासन की कार्यप्रणाली, जनहित से जुड़े मामलों, विभागीय योजनाओं तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि

गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए साथ ही लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अधिस्थूचित सेवाओं का निर्धारित समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट किया कि समय-सीमा का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी विधानसभा प्रश्नों के उत्तर भी समय पर भेजने के निर्देश दिए गए। मानसून को देखते हुए कृषि विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि किसानों तक मौसम आधारित कृषि सलाह समय पर पहुंचाई जाए ताकि वे बोनवों और फसल प्रबंधन संबंधी निर्णय सही समय पर ले सकें उन्होंने नकली अथवा घटिया गुणवत्ता के बीज एवं उर्वरकों की बिक्री पाए जाने पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए साथ ही उर्वरक वितरण में कालाबाजारी, अनियमितता अथवा किसानों के साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान वर्षा ऋतु में जलजनित एवं संक्रमक बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी पेयजल स्रोतों की नियमित जांच और क्लोरीनेशन और स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं व आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय के साथ कार्य करने के लिए कहा गया।

सीधी में SDRF का आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, 40 स्वयंसेवकों को आग और गैस रिसाव से बचाव के गुर सिखाए गए

कन्या आवश्यक है इसके बाद ही सुरक्षित तरीके से रहत कार्य शुरू करना चाहिए कार्यक्रम में विशेष रूप से रसोई गैस सिलेंडर में रिसाव और आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों को बताया गया कि ऐसे मामलों में सही तकनीक और उपकरणों का उपयोग करके बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है इसके साथ ही आग बुझाने वाले प्राथमिक उपकरणों के उपयोग का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अनुभव मिल सके। प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि किसी भी आपात स्थिति में बिना सुरक्षा उपकरणों के घटनास्थल के अंदर जाना अत्यंत खतरनाक हो सकता हाल ही में एक दो मंजिला मकान में लगी भीषण आग की घटना का उदाहरण देते हुए बताया गया कि बिना सुरक्षा साधनों के बचाव कार्य में जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। स्वयंसेवकों को यह भी सिखाया गया कि आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना, प्रभावित क्षेत्र को खाली करना, भीड़ को नियंत्रित करना और राहत एवं बचाव एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। कार्यक्रम में प्रतिभागी स्वयंसेवक सातवारी सहित सभी उपस्थित लोगों ने व्यावहारिक अभ्यास में भाग लिया और विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तकनीकों को सीखा।

हिरवाह में 63 लीटर अवैध शराब जब्त, दुकान से बिक्री की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बहैन थाना क्षेत्र अंतर्गत हिरवाह गांव में सोमवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 63 लीटर अवैध शराब जब्त की यह कार्रवाई एक सामाजिक संगठन की सूचना के आधार पर की गई हालांकि छापेमारी के दौरान मौके से कोई आरोपी नहीं मिला जिससे दुकान संचालक फरार हो गया। जानकारी के अनुसार गांव के एक तिराहे पर स्थित दुकान में लंबे समय से अवैध रूप से शराब बिक्री की शिकायत मिल रही थी। सामाजिक संगठन के अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बताया कि इस दुकान पर लगातार शराब की अवैध बिक्री हो रही थी जिससे वहां शराबियों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता था इसके कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संबंध में पहले भी पुलिस को कई बार शिकायत दी गई थी लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद संगठन के सदस्यों ने पुन सूचना एकत्र कर पुलिस को जानकारी दी जिसके आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली। पुलिस कार्रवाई के दौरान दुकान से विभिन्न ब्रांडों की कुल 63 लीटर अवैध शराब बरामद कर जब्त की गई हालांकि छापेमारी के समय आरोपी वहां से फरार हो चुका था।

आकाशीय बिजली से झुलसी महिला को खात पर ढोकर पहुंचाया अस्पताल



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सरई रेंज स्थित महैरैल जंगल में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्काल गांव के सैकड़ों लोगों एवं बचाव एंबुलेंस और डायल-112 को सूचना दी लेकिन गांव तक जाने वाला मार्ग बंद होने के कारण कोई भी आपातकालीन सहित सभी तक नहीं पहुंच सका मजबूरी में ग्रामीणों ने घायल महिला को खात पर लादकर करीब दो किलोमीटर पैदल मुख्य सड़क तक पहुंचाया जहां से वाहन की व्यवस्था कर उसे अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार घायल महिला की पहचान शकुंतला बाई के रूप में हुई है आकाशीय बिजली की चपेट में आने के बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल राहत और बचाव के लिए प्रशासन से संपर्क किया लेकिन वन विभाग द्वारा मार्ग बंद किए जाने के कारण एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी इसके बाद ग्रामीणों ने खात और बांस-बकली की सहायता से अस्थायी स्ट्रेचर तैयार किया और महिला को कंधों पर उठाकर मुख्य सड़क तक ले गए घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें ग्रामीण कठिन रास्ते से महिला को खात पर ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि गांव तक सड़क खुली होती तो घायल महिला को समय पर चिकित्सीय सहायता मिल सकती थी ग्रामीणों का आरोप है कि करीब तीन महीने पहले उन्होंने वन विभाग से आपातकालीन सेवाओं के लिए रास्ता खोलने की मांग की थी उनका कहना है कि यही मार्ग गांव के सैकड़ों लोगों एवं बचाव एंबुलेंस और डायल-112 को सूचना दी लेकिन गांव तक जाने वाला मार्ग बंद होने के कारण कोई भी आपातकालीन सेवाएं गांव तक नहीं पहुंच पातीं, जिससे लोगों की जान हमेशा जोखिम में रहती है। पर उपवन मंडल अधिकारी एन.के. त्रिपाठी ने कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के मुख्य मार्ग बंद करना संभव नहीं है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने का आश्वासन देते हुए कहा कि यदि वास्तव में कोई दूसरा रास्ता उपलब्ध नहीं है तो ग्रामीणों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाएगी घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है। उन्होंने प्रशासन से बंद मार्ग को तत्काल खोलने और भविष्य में आपातकालीन परिस्थितियों के लिए स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है कि सड़क जैसी बुनियादी सुविधा के अभाव में किसी भी आपदा या दुर्घटना की स्थिति में लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है इस घटना ने दूरस्थ वन क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता और बुनियादी संपर्क मार्गों की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

महापौर पर दर्ज FIR के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, सिंगरौली एसपी को सौंपा ज्ञापन



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। पूर्व महापौर रेनु शाह के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर सोमवार को कांग्रेस ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आधा सैकड़ों से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकाली और

तरह से दोषपूर्ण है और इसे राजनीतिक दबाव में दर्ज किया गया है चौहान ने कहा कि प्रशासन ने बिना निष्पक्ष जांच के यह कार्रवाई की है जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर बाजपा से जुड़े कुछ लोगों के दबाव में पुलिस प्रशासन ने यह एफआईआर दर्ज की है, जबकि वास्तविक तथ्यों की गहन जांच नहीं की गई। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और पूर्व महापौर सहित अन्य कांग्रेस के खिलाफ दर्ज प्रकरण को तत्काल वापस लिया जाए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि

एफआईआर वापस नहीं ली गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा उन्होंने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं है बल्कि प्रशासनिक निष्पक्षता और न्याय व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मुद्दा है यह मामला परसदेही गांव में पावरग्रिड कंपनी के हाईटेंशन टावर निर्माण से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य के दौरान हुए विवाद में जमीन मालिक जगदीश शाह की मौत हो गई थी परिजनों ने आरोप लगाया था कि कंपनी के अधिकारियों और ठेकेदार द्वारा बिना उचित मुआवजा दिए जमीन पर टावर लगाया गया और लापरवाही बरती गई जिसके कारण यह घटना हुई।

नवप्रवेशित छात्राओं को एनएसएस से कराया गया परिचय, सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों पर दिया जोर



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत नवप्रवेशित छात्राओं के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को एनएसएस के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों से परिचित कराना तथा उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, राष्ट्रिय एकता और व्यक्तिगत विकास जैसे गुणों को विकसित करना था कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. ओ.पी. नामदेव की अध्यक्षता में मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रतिमा कौल द्वारा प्रस्तुत की गई उन्होंने अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्राओं का स्वागत किया। अपने उद्बोधन में डॉ. प्रतिमा कौल ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक सह-शैक्षणिक गतिविधि नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराने और सेवा के माध्यम से व्यक्तिगत विकास का अवसर प्रदान करने वाला एक राष्ट्रीय आंदोलन है उन्होंने एनएसएस के इतिहास, उद्देश्य एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज की वास्तविक समस्याओं को समझने और उनके समाधान में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलता है उन्होंने कहा कि एनएसएस का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा और समर्पण की भावना विकसित करना, नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व का विकास करना, अनुशासन एवं टीम भावना को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करना तथा सह-चरित्र, स्वास्थ्य जगजाहकता, पर्यावरण संरक्षण और जनहित के अभियानों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

‘किल ट्रंप’ के मायने युद्ध

संपादकीय

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे एवं शिया मुस्लिम समुदाय की आस्था के प्रतीक अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे का दौर है, लिहाजा समुचा देश मातम में है। शोकाकुल लोग रो रहे हैं, छतों पीट रहे हैं, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और संसद अध्यक्ष कालीबाफ सरीखे शीर्ष नेताओं और सैन्य कमांडरों को फफक-फफक कर रोते देखा गया है। यह सिलसिला 9 जुलाई तक चलेगा, जिस दिन खामेनेई को उनके गृह नगर मशहद में 'सुपुर्द-ए-खाक' किया जाएगा। ईरान गमजदा है, लेकिन अपनी समुची ताकत के नमूने भी पेश कर रहा है। उसने ऐसी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है, जिसे मात्र 8 मिनट में लॉन्च किया जा सकता है और दुश्मन को 'मिट्टी-मलबा' किया जा सकता है। तेहरान में 30 से अधिक देशों के शीर्ष

और ट्रंप की हत्या करो। मेजर जनरल अहमद वाहिदी समेत सैन्य कमांडरों ने कसम खाई है कि सुप्रीम लीडर की हत्या का बदला हर हाल में लिया जाएगा। इसके साफ मायने हैं कि युद्ध अभी जारी रहेगा। हालांकि जनाजे के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा और सतर्कता के लिए अमरीका ने ईरान को 'अलर्ट' किया है। राष्ट्रपति ट्रंप अब ईरान को सुरक्षा मुहैया कराने की बात

कह रहे हैं, लेकिन तंज भी कस रहे हैं कि हमने ईरान को, सुप्रीम लीडर के जनाजे के लिए, एक सप्ताह की छुट्टी दी है। ध्यान रहे कि राष्ट्रपति ट्रंप का ही यह मकसद था कि सुप्रीम लीडर को खत्म कर ईरान में कथित तानाशाही समाप्त की जाए और सत्ता बदल दी जाए। अमरीका ने ही इजरायल के साथ मिल कर खामेनेई पर हमला किया था, जिसमें उनके साथ 40 से अधिक शीर्ष नेता, सलाहकार और

कमांडर भी मारे गए। बहरहाल अमरीका ने यह भी पुष्टि की है कि इजरायल जनाजे के दौरान ईरान की भीड़ और वहां के कालीबाफ अब्बास अरागची (विदेश मंत्री) सरीखे नेताओं पर हमले कर सकता है! अमरीकी खुफिया एजेंसियां भी इजरायल के नापाक मंसूबों पर लगातार नज़र गड़ाए हैं। ईरान और अमरीका के ऐसे संबंध अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक लगते हैं। रक्षा विशेषज्ञों के अब भी आकलन है कि फीफा फुटबॉल विश्व कप अथवा खामेनेई के सुपुर्द-ए-खाक के बाद युद्ध फिर भड़केगा और वह पहले से

ज्यादा भीषण, वीभत्स होगा। ईरान युद्ध का विध्वंसकारी दौर फ़िलहाल काफी शांत है और दुनिया ने राहत की एक सांस ली है, क्योंकि खाड़ी देशों से तेल, गैस की आपूर्ति कुछ शुरू हुई है, लेकिन होम्जुंज पर अब भी ईरान का नियंत्रण है। सिर्फ़ टैक्स का भुगतान करने वाले जहाज़, टैंकर ही होम्जुंज से गुजर पा रहे हैं। युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था का 2.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान आका जा रहा है, लिहाजा दोनों देशों को इस संदर्भ में विमर्श कर यथार्थो्त्र 'अंतिम समझौते' पर सहमत होना चाहिए।

बच्चों पर मंडराता साइबर खतरा

डॉ. विशेष गुप्ता ।

सरकार, तकनीकी कंपनियां, विद्यालय, अभिभावक और समाज के सभी कल-पुजें आपस में तालमेल बैठते हुए एक ऐसी डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण करें, जहां बच्चों की केवल डिजिटल उपभोक्ता या श्रमिक न बनाकर, सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त डिजिटल नागरिक बनाया जा सके।

इंटरनेट मीडिया की दुनिया में आज बच्चों का बचपन लाइक्स और व्यूज के बीच पलने को मजबूर है। बच्चे के मोबाइल स्क्रीलिंग, चैटिंग, रील्स देखने के साथ-साथ रील्स बनाने में मां-बाप की सक्रिय सहभागिता चिंता का विषय बन रही है। इसके कारण 80 प्रतिशत से भी अधिक बच्चों के चित्र अथवा उनके वीडियो इंटरनेट पर विद्यमान हैं। इसका अर्थ है कि खेलने, खाने, पढ़ने और कुछ रचनात्मक कार्य करने की उम्र में हम स्वयं ही उन्हें साइबर बुलिंग, आनलाइन शोषण, डिजिटल लत के साथ-साथ नितात के हनन और अनचाहे मानसिक दबाव की ओर धकेल रहे हैं। विश्व में आज करीब 40 करोड़ बच्चे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। भारत में नौ से तेरह साल के लगभग 76 प्रतिशत बच्चे फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं यू-ट्यूब जैसे इंटरनेट मीडिया का प्रयोग केवल समय बिताने के लिए ही नहीं कर रहे, बल्कि वे किड्स इन्फ्लुएंसर बनने की ओर भी अग्रसर हैं। आज अकेले इंस्टाग्राम पर 83 हजार से भी अधिक किड्स इन्फ्लुएंसर सक्रिय हैं। हाल के वर्षों में इनकी संख्या में 41 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि हुई है। इंटरनेट मीडिया से संलग्न बच्चे अब केवल रील्स अथवा वीडियो देखने वाले ही नहीं रह गए हैं, बल्कि कंटेंट क्रिएटर और प्रमोशन के लिए ब्रांड भी बन रहे हैं। कंटेंट क्रिएशन से ये लाखों रुपये भी अर्जित कर रहे हैं। सर्वेक्षण बताते हैं कि 2010 के बाद पैदा हुए 37 प्रतिशत बच्चे इंटरनेट मीडिया के क्षेत्र में इन्फ्लुएंसर बनना चाहते हैं। इन बच्चों के एकाउंट, उनकी वीडियो शूटिंग, उसका संपादन तथा इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने के कार्य इन बच्चों के मां-बाप संभालते हैं। यह किड्स डिजिटल इकोनमी केवल एक आर्थिक अवधारणा ही नहीं है, यह बाल अधिकारों, सुरक्षा, गोपनीयता और नैतिकता से जुड़ा मुद्दा भी है। जब बच्चे इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय होते हैं, वीडियो देखते या गेम खेलते हैं, तो वे केवल मनोरंजन ही नहीं, डाटा भी उत्पन्न कर रहे होते हैं। उनके व्यवहार, आदतें, पसंद-नापसंद, रुचियां इन डिजिटल कंपनियों के लिए एक आर्थिक वैल्यू लिए होती हैं। यानी जब कोई बच्चा वीडियो देखता है, कोई एप डाउनलोड करता है, गेम खेलता है अथवा आनलाइन कक्षा में भाग लेता है, तो ऐसे समय में उसकी लोकेशन, व्यवहार और उसकी रुचियों से जुड़े डाटा एकत्र किए जाते हैं। डिजिटल कंपनियां इस डाटा का उपयोग मार्केट रिसर्च, विज्ञापनों, व्यावसायिक रणनीतियों के निर्माण तथा एल्गोरिदमिक सिफारिशों के लिए करती हैं। यही वजह है कि बच्चों से जुड़े डाटा की सुरक्षा आज गंभीर चिंता का विषय बन रही है। यह डिजिटल अर्थव्यवस्था बच्चों को शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता और नए वैश्विक अवसरों से जोड़ सकती है, परंतु इस लालच में यदि हमने उनकी डिजिटल सुरक्षा, गोपनीयता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा की तो यह गंभीर चुनौती भी बन सकती है। वर्तमान में इसके संकेत सामने आने भी लगे हैं। आज जब डिजिटल क्रांति की रफ्तार तेज है, ऐसे में संपूर्ण विश्व में यह बहस तेज हो रही है कि हम कहीं बच्चों को डिजिटल बाल श्रमिक तो नहीं बना रहे हैं। इस डिजिटल युग में कारखानों की जगह स्मार्ट फोन और मशीनों की जगह एल्गोरिदम ने ले ली है। भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में बच्चों पर इंटरनेट मीडिया के बढ़ते दुष्प्रभाव को देखते हुए पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने बच्चों की आनलाइन प्लेटफार्म पर सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। आस्ट्रेलिया ने अपने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया प्रतिबंधित कर दिया है। फ्रांस, स्पेन, डेनमार्क, इंडोनेशिया एवं मलेशिया ने भी किशोरों की आनलाइन सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए हैं। ब्रिटेन भी इसी तरह की योजना बना रहा है। इसे देखते हुए भारत में भी 16 साल से कम उम्र के किशोरों के लिए इंटरनेट मीडिया के प्रयोग पर पाबंदी को लेकर बहस तेज हो रही है। बच्चों के 5-6 घंटे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों पर रहने से उनमें भावनात्मक कमजोरी के साथ-साथ उनकी सोचने और समझने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी लगातार घट रही है।

प्याज पर 13 प्रतिशत सरकारी खरीद मूल्य वृद्धि

किसान क़ा लागत से भी कम कीमत पर प्याज बेचने को मजबूर होना बनाम प्याज आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर होकर आंसू निक्कालकर रुला देना,वर्षों के इसी असंतुलन की सबसे बड़ी चुनौती से निपटने की दिशा में कदम

वैश्विक स्तरपर भारत में प्याज केवल एक सब्जी नहीं,बल्कि अर्थव्यवस्था, राजनीति, कृषि और आम नागरिक की रसोई से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। देश में कई बार प्याज की कीमतों ने सरकारों की नीतियों को प्रभावित किया है और चुनावी राजनीति तक में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।इसलिए जब 4 जुलाई 2026 से केंद्र सरकार ने बफर स्टॉक के लिए प्याज की सरकारी खरीद कीमत में लगभग 13.3 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 1,875 रूपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2,125 रूपए प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया जो आज 4 जुलाई 2026 से लागू हो चुका है,तो इसे केवल मूल्य वृद्धि के रूप में नहीं बल्कि किसानों,उपभोक्ताओं और कृषि बाजार के बीच संतुलन स्थापित करने वाले एक महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय के रूप में देखा गया। मेें एडवोकेट किशन सनयाखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह निर्णय स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार उत्पादन बढ़ाने,किसानों को न्यूनतम लाभकारी मूल्य दिलाने तथाभविष्य में मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।भारत विश्व के सबसे बड़े प्याज उत्पादक देशों में शामिल है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात और राजस्थान जैसे राज्य देश के अधिकांश प्याज उत्पादन में योगदान देते हैं। इनमें भी महाराष्ट्र का नासिक क्षेत्र एशिया के सबसे बड़े प्याज उत्पादन क्षेत्रों में गिना जाता है। विडंबना यह है कि भरपूर उत्पादन होने के बावजूद किसान कई बार लागत से भी कम कीमत पर प्याज बेचने को मजबूर हो जाते हैं। दूसरी ओर, जब उत्पादन कम होता है या आपूर्ति बाधित होती है, तो यही प्याज आम उपभोक्ता की पहुंच से बाहर हो जाता है इसलिए ही कई बार जुमला आता है कि प्याज ने आंसू निकल कर रुला दिया, यही असंतुलन वर्षों से भारतीय कृषि बाजार की सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

साथियों, सरकार द्वारा खरीद मूल्य को 250 रूपए प्रति क्विंटल बढ़ाने का सबसे बड़ा लाभ उन किसानों को मिलेगा जो अपनी उपज सरकारी बफर स्टॉक योजना के अंतर्गत बेचते हैं। यदि कोई किसान 500 क्विंटल प्याज बेचता है, तो उसे पहले की तुलना में लगभग 1.25 लाख रूपए अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। छोटे और मध्यम किसानों के लिए यह अतिरिक्त आय खेती की लागत निकालने,अगली फसल की तैयारी करने तथा परिवार की आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे किसानों का सरकारी खरीद प्रणाली पर विश्वास भी बढ़ेगा।हालांकि केवल खरीद मूल्य बढ़ा देना किसानों की सभी समस्याओं का समाधान नहीं है।भारतीय किसान का

सबसे बड़ी चुनौती उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि है।बीज, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई, बिजली, डीजल, मजदूरी और परिवहन का खर्च लगातार बढ़ रहा है। यदि उत्पादन लागत भी उसी अनुपात में बढ़ती रहे और विपणन व्यवस्था कमजोर बनी रहे, तो केवल 13 प्रतिशत मूल्य वृद्धि सीमित राहत ही दे पाएगी इसलिए आवश्यक है किसरकार लागत कम करने वालीतकनीकों आधुनिक कृषि यंत्रों तथा वैज्ञानिक खेती को भी समान प्राथमिकता दे।

साथियों, इस निर्णय का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू सरकारी बफर स्टॉक है। जब सरकार अच्छी कीमत पर किसानों से प्याज खरीदती है, तब वह उसे सुरक्षित में रखती है। भविष्य में यदि किसी कारण से बाजार मेंप्याज की कमी हो जाती है या कीमतें अचानक बढ़ जाती हैं, तो यही बफर स्टॉक बाजार में उतारकर कीमतों को नियंत्रित किया जा सकता है।इस प्रकार सरकार किसानों को उचित मूल्य भी देती है और उपभोक्ताओं को अत्यधिक महंगाई से भी बचाती है। यही किसी भी सफल कृषि मूल्य नीति की सबसे बड़ी विशेषता होती है। साथियों, उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से देखें तो इस निर्णय का अर्थ यह नहीं है कि 4 जुलाई से ही बाजार में प्याज 13 प्रतिशत महंगा हो जाएगा। सरकारी खरीद मूल्य और खुदरा बाजार मूल्य अलग-अलग कारकों

पर निर्भर करते हैं।यदि उत्पादन पर्याप्त रहेगा और सरकार समय पर बफर स्टॉक जारी करती रहेगी,तो खुदरा कीमतों में अनावश्यक वृद्धि की संभावना कम होगी। अर्थात अल्पकाल में किसानों को राहत और दीर्घकाल में उपभोक्ताओं को स्थिर कीमत, दोनों उद्देश्यों को एक साथ साधने का प्रयास इस निर्णय में दिखाई देता है।हम देखते हैं कि, भारत में प्याज की सबसे बड़ी समस्या उत्पादन नहीं बल्कि भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला है। अनुमान है कि हर वर्ष बड़ी मात्रा में प्याज उचित वैज्ञानिक भंडारण के अभाव में खराब हो जाती है।यदि आधुनिक कोल्डस्टोरेज वेंटिलेटेड गोदाम और वैज्ञानिक भंडारण प्रणाली का व्यापक विकास हो जाए तो किसानों को मजबूरी में सस्ते दाम पर बिक्री नहीं करनी पड़ेगी और उपभोक्ताओं को भी पूरे वर्ष संतुलित कीमत पर प्याज उपलब्ध हो सकेगा। इसलिए मूल्य वृद्धि के साथ-साथ भंडारण अवसंरचना में निवेश अनिवार्य है। साथियों, कृषि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि किसानों की आय दोगुनी करने या स्थायी रूप से बढ़ाने का सबसे प्रभावी तरीका केवल समर्थन मूल्य नहीं बल्कि मूल्य स्वधर्म (वैल्यू एडिशन) और उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से देखें तो इस निर्णय का अर्थ यह नहीं है कि 4 जुलाई से ही बाजार में प्याज 13 प्रतिशत महंगा हो जाएगा। सरकारी खरीद मूल्य और खुदरा बाजार मूल्य अलग-अलग कारकों

पर निर्भर करते हैं।यदि उत्पादन पर्याप्त निवेश करे तो किसानों की आय में सटीक रूप से उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजार भी इस निर्णय से जुड़ा हुआ है। भारत विश्व के प्रमुख प्याज निर्यातकों में शामिल है। कई देशों की खाद्य सुरक्षा भारतीय प्याज पर निर्भर रहती है। लेकिन घरेलू कीमतें बढ़ने पर भारत कई बार निर्यात पर प्रतिबंध या शुल्क लगा देता है, जिससे वैश्विक बाजार प्रभावित होता है। यदि देश में पर्याप्त बफर स्टॉक और संतुलित उत्पादन रहेगा तो भविष्य में निर्यात नीति अधिक स्थिर बनाई जा सकेगी। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन बढ़ेगा और भारतीय किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार का सटीकता से बेहतर लाभ मिलेगा। साथियों जलवायु परिवर्तन भी प्याज उत्पादन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। अनियमित वर्षा, ओलावृष्टि, अत्यधिक तापमान तथा सूखे जैसी घटनाएं उत्पादन को प्रभावित करती हैं। ऐसे समय में यदि किसानों को न्यूनतम लाभकारी मूल्य की गारंटी मिले तो उनका जोखिम कम होता है। इसलिए यह निर्णय केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु जोखिम प्रबंधन की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है।इस नीति का सामाजिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। जब किसान को उचित मूल्य मिलता है तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। उसकी क्रय शक्ति बढ़ती है, स्थानीय

मंदिरों के चढ़ावे का उपयोग

की खबरें आती रही हैं। आम तौर पर जो छोटे मंदिर हैं, उनके चढ़ावे की राशि तो पुजारियों, सेवादारों के गुजारे के साथ मंदिर के रखरखाव, भंडारे आदि के आयोजन में ही खर्च हो जाती है। क्या इस सबसे हिंदू धर्म के प्रचार के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है? कुछ बड़े मंदिरों के ट्रस्ट शिक्षा संस्थान, अस्पताल, धर्मशालाएं आदि चलाते हैं, लेकिन इसका सटीक आंकड़ा शायद ही किसी के पास हो कि देश के प्रमुख मंदिरों के प्रति वर्ष किना चढ़ावा मिलता है और

उसका उपयोग किन-किन कार्यों में किया जाता है? इसका कारण यह है कि इसकी कोई सुनिश्चित व्यवस्था नहीं कि चढ़ावे की राशि किन कार्यों में खर्च की जाएगी और किनमें नहीं? निःसंदेह मंदिरों को मिलने वाली चढ़ावे की राशि हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार और कल्याण में ही खर्च होनी चाहिए, लेकिन यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि आखिर हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार का काम प्रभावी तरीके से किस प्रकार किया जाए? क्या संस्कृत

विद्यालयों अथवा गुरुकुलों का संचालन करने मात्र से हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार का उद्देश्य पूरा हो जाता है? क्या हिंदू धर्म के वैभव प्रदर्शन से धर्म प्रचार का उद्देश्य पूरा हो जाता है? प्रश्न यह भी है कि क्या हिंदू धर्म का प्रचार केवल हिंदुओं के बीच होना चाहिए? विडंबना यह है कि इसे लेकर हिंदू धर्माचार्यों और मंदिर ट्रस्ट का संचालन करने वालों में कोई सहमति नहीं है। हिंदू धर्म की विशेषता यह है कि यह किसी एक ग्रंथ या देव के दर्शन पर आधारित नहीं है। हिंदुओं को इसकी

स्वतंत्रता है कि वे अपनी इच्छानुसार किसी इष्ट की पूजा-अर्चना करें। हिंदू धर्म के अनुयायियों के रीति-रिवाज भी अलग-अलग हैं और वे सब अपनी आस्था के अनुसार उनका पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। कोई कर्मकांडों को महत्व देता है तो कोई उनकी आवश्यकता नहीं समझता। हिंदू धर्म की विशेषताएं ही उसे अन्य धर्मों केवल से अलग करती हैं, लेकिन संभवतः इसी कारण इसकी कोई रूपरेखा भी नहीं बन सकी है कि आखिर हिंदू धर्म का व्यापक प्रचार-प्रसार कैसे हो?

इसके विपरीत सनातन की शाखा समझे जाने वाले बौद्ध मत का प्रचार-प्रसार सुनियोजित तरीके से किया गया। इसका परिणाम यह है कि आज अनेक देशों में बौद्ध मत के अनुयायी हैं, लेकिन समय के साथ बौद्ध पंथ को हिंदू धर्म से अलग देखा जाने लगा। जैन और सिख पंथ भी सनातन की ही शाखा हैं। सभी अपने-अपने अनुसार अपने मत का प्रचार करते हैं, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि ईसाइयत और इस्लाम का प्रचार करने वाले कहीं अधिक संगठित हैं और सुनियोजित हैं। इसीलिए उससे जुड़े संगठनों पर मतांतरण के आरोप लगते रहते हैं। मंदिरों की समस्या यह है कि जहां कई बड़े मंदिरों के संचालन में सरकारी हस्तक्षेप रहता है, वहीं अन्य

पंथों के अनुयायी अपने धार्मिक स्थलों का संचालन अपने हिसाब से करते हैं और उसमें सरकार का कोई दखल नहीं रहता। यह एक विसंगति है। हिंदू संगठन लगातार यह मांग करते चले आ रहे हैं कि मंदिरों का संचालन हिंदू समाज को सौंपा जाए, लेकिन इस मांग पर बल देने के साथ ही यह भी आवश्यक है कि मंदिरों के संचालन को कोई ठोस सहिता बने। यह भी तय हो कि मंदिरों को मिलने वाली चढ़ावे की राशि का उपयोग किस तरह होगा? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि देश में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनमें अच्छ-खासा चढ़ावा आता है, लेकिन यह पता नहीं चलता कि उनका खर्च किन कार्यों में किया जाता है? ट्रस्ट संचालित मंदिर भी चढ़ावे की राशि का उपयोग अपने हिसाब से करते हैं। जब भी कोई भक्त मंदिर जाता है तो चढ़ावा देते समय उसके दिमाग में यह नहीं रहता कि उसका क्या उपयोग होगा समय आ गया है कि इसकी कोई ठोस रूपरेखा बने कि मंदिरों के पुजारी या ट्रस्टी चढ़ावे की राशि का उपयोग हिंदू धर्म का समुचित ढंग से प्रचार करने और हिंदू समाज के कल्याण में ही खर्च करें। जब तक ऐसा नहीं होगा, चढ़ावे के उपयोग को लेकर स्वावल उठते रहेंगे। जितना आवश्यक यह है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना की सही तरह जांच हो।

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना हिंदू समाज को आहत और साथ ही इस मंदिर के ट्रस्ट के प्रति लोगों के भरोसे को चोट पहुंचाने वाली है। फिलहाल यह कहना कठिन है कि कितनी राशि की चोरी की गई और वह कब से जारी थी, लेकिन यह शर्मनाक है कि दान राशि उन्हीं लोगों ने हड़पी, जिन पर उसकी देख-रेख की जिम्मेदारी थी। अभी तक इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार कर विशेष जांच दल यानी एसआइटी की ओर से पूछताछ जारी है। मामले की गंभीरता और व्यापकता को देखते हुए एसआइटी की समय सीमा बढ़ा दी गई है। देखना है कि वह तब समय में अपनी जांच पूरी कर पाती है या नहीं?

ईमानदारी और सत्यनिष्ठा युवा अधिकारी की सबसे बड़ी पूंजी: डीजीपी कैलाश मकवाणा



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा है कि ईमानदारी और सत्यनिष्ठा किसी भी युवा अधिकारी की सबसे बड़ी पूंजी होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा केवल एक पद नहीं बल्कि जनता की सेवा का एक महत्वपूर्ण दायित्व है, जिसे पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ निभाया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश संवर्ग 2025 बैच के आठ

परिवीक्षाधीन भारतीय प्रशासनिक सेवा (इंटर) अधिकारियों ने पुलिस मुख्यालय में डीजीपी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान डीजीपी ने सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण अवधि का पूर्ण लाभ उठाने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी डीजीपी ने कहा

कि नवचयनित अधिकारियों को अपने अधीनस्थ अमले से भी सीखने में संकोच नहीं करना चाहिए उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सफलता के लिए निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और तकनीकी समझ आवश्यक है वर्तमान समय में नए आपराधिक कानून, साइबर सुरक्षा, साइबर प्रॉड, नारकोटिक्स और नशा मुक्ति जैसे विषय प्रशासनिक अधिकारियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं अपने अनुभव साझा

करते हुए डीजीपी मकवाणा ने मंदसौर और मुंनेा की घटनाओं का उल्लेख किया उन्होंने बताया कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य, संवाद और सही नेतृत्व के माध्यम से बड़ी से बड़ी भीड़ को भी शांतिपूर्वक नियंत्रित किया जा सकता है उन्होंने मुंनेा में सड़क सुरक्षा अभियान और निष्पक्ष जांच के अनुभव भी साझा किए उन्होंने यह भी बताया कि डायल-100 से 112 आपातकालीन सेवा में परिवर्तन एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे छह

मूंगफली बीज की कमी पर किसानों का फूटा गुस्सा, नरवर में तीन घंटे चक्काजाम



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के नरवर में मूंगफली बीज उपलब्ध नहीं होने से नागरज किसानों ने सोमवार को कृषि विभाग कार्यालय के बाहर नरवर-मगरीनो मार्ग पर करीब तीन घंटे तक चक्काजाम किया किसानों का आरोप है कि वे पिछले आठ दिनों से बीज के लिए कृषि विभाग के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन अब तक उन्हें बीज उपलब्ध नहीं कराया गया किसानों के अनुसार विभाग ने सोमवार को बीज वितरण का आश्वासन दिया था सुबह से बड़ी संख्या में किसान कार्यालय पहुंचे लेकिन न तो अधिकारी मौके पर मिले और न ही बीज का वितरण हुआ

इसके विरोध में किसानों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही नरवर थाना प्रभारी विनय यादव और तहसीलदार विजय कुमार त्यागी मौके पर पहुंचे दोनों अधिकारियों ने किसानों को समझाने का प्रयास किया लेकिन किसान बीज उपलब्ध कराए जाने की मांग पर अड़े रहे किसानों का कहना है कि आठ गांवों के किसानों के दस्तावेज पहले ही जमा किए जा चुके हैं फिर भी समय पर बीज नहीं मिलने से मूंगफली की बुवाई प्रभावित हो रही है किसानों ने आरोप लगाया कि प्रतिदिन केरुड़ों किसान कृषि विभाग कार्यालय पहुंचते हैं लेकिन अधिकंश समय कार्यालय बंद मिलता है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से 10 दिन में बना जन्म प्रमाण पत्र, मैहर निवासी की वर्षों पुरानी परेशानी हुई दूर

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन, पारदर्शिता और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के संकल्प को साकार करने में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण कर आम नागरिकों को राहत प्रदान की जा रही है इसका एक सकारात्मक उदाहरण तब सामने आया जब मध्यप्रदेश के मैहर जिले के निवासी महेंद्र बसोर की पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र मात्र 10 दिनों में बनाकर उन्हें उपलब्ध कराया गया जानकारी के अनुसार महेंद्र बसोर की पुत्री तात्या बसोर का जन्म छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ स्थित 220 बिस्तर सिविल अस्पताल में हुआ था चूंकि जन्म एक राज्य में हुआ



और परिवार दूसरे राज्य का निवासी था इसलिए जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया में उन्हें कई प्रशासनिक और तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था लंबे समय तक प्रयास करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका। इसके बाद महेंद्र बसोर ने अपनी समस्या के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होने के बाद

संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया और नियमानुसार प्रक्रिया पूरी कराई। विभागीय अधिकारियों की तत्परता के चलते केवल 10 दिनों के भीतर तात्या बसोर का जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर महेंद्र बसोर को उपलब्ध कर दिया गया। जन्म प्रमाण पत्र मिलने के बाद महेंद्र बसोर ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से उनकी लंबे समय से लंबित समस्या का त्वरित समाधान संभव हो सका उन्होंने कहा कि यदि यह सुविधा नहीं होती तो उन्हें कई कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते और पेशानी का सामना करना पड़ता। महेंद्र बसोर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की

जनहितैषी पहल आम नागरिकों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही है उन्होंने जिला प्रशासन, संबंधित विभाग तथा सभी अधिकारियों का धन्यवाद देते हुए कहा कि शिकायतों के समयबद्ध और संवेदनशील निराकरण से शासन के प्रति लोगों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। जिला प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 नागरिकों और शासन के बीच एक मजबूत संवाद का माध्यम बन चुकी है अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि हेल्पलाइन में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि आम लोगों को त्वरित राहत मिल सके और सुशासन की भावना धरगत पर दिखाई दे।

महतारी वंदन योजना ने बदली गीता यादव की जिंदगी, हर महीने की सहायता से बड़ी आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकामहतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर माह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है जिससे वे न केवल अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा कर रही बल्कि परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा

रहीं हैं। जिले के ग्राम मसीरा की निवासी गीता यादव इस योजना से लाभान्वित होने वाली ऐसी ही एक महिला जिनके जीवन में योजना ने सकारात्मक बदलाव लाया है। गीता यादव को महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 28 किश्तों में कुल 28 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो चुकी है उनका कहना है कि यह राशि उनके परिवार के लिए एक मजबूत आर्थिक सहारा बन गई है हर महीने मिलने वाली सहायता से वे घर की छोटी-मोटी जरूरतों दैनिक उपयोग की वस्तुओं और अन्य आवश्यक खर्चों को आसानी से पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने बताया कि योजना शुरू होने से पहले कई बार घरेलू खर्चों के लिए आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए

परिवार को अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ती थी लेकिन अब हर माह नियमित रूप से मिलने वाली सहायता राशि से घरेलू बजट संतुलित रहता है और आवश्यक खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है। गीता यादव का कहना है कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहयोग ही नहीं दिया बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी दी है अब वे परिवार को अपने यौगदान पर गर्व महसूस करने वाली हैं उनके अनुसार महिलाओं के हाथों में नियमित आर्थिक सहायता पहुंचने से उनका आत्मसम्मान बढ़ता है और वे परिवार के निर्णयों में भी अधिक

प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है उनके अनुसार महतारी वंदन योजना लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा का आधार बन गई है और इससे परिवारों को भी सीधा लाभ मिल रहा है। नियमित सहायता से महिलाएं अपने बच्चों की जरूरतों, घरेलू खर्चों और अन्य आवश्यक कार्यों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं जिला प्रशासन का कहना है कि महतारी वंदन योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। योजना का लाभ प्रदेश की लाखों महिलाओं तक पहुंच रहा है।

एफआईआर में नामजद आरोपियों को शामिल करने की मांग पर कांग्रेस का धरना, एसपी कार्यालय के बाहर चार दिन तक आंदोलन का ऐलान



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। पिछोर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कथित मारपीट के मामले में नामजद

आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने सोमवार से पुलिस अधीक्षक (एसपी)

कार्यालय के बाहर चार दिवसीय धरना शुरू कर दिया कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि शिकायत में आरोपियों के नाम स्पष्ट रूप से दिए जाने के बावजूद पुलिस ने केवल अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है धरना सोमवार सुबह 11 बजे शुरू होना था इससे पहले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजीव मुले ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित अग्रवाल से मुलाकात कर धरना स्थगित करने के लेकर चर्चा की। करीब एक घंटे तक चली बातचीत के बावजूद दोनों पक्षों के बीच कोई सहमति नहीं बन सकी इसके बाद कांग्रेस पदाधिकारी

और कार्यकर्ता एसपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए प्रदर्शन में पिछोर विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया कांग्रेस के अनुसार 27 मई को पिछोर में नवीन नगर परिषद भवन के समीप पार्टी का शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन चल रहा था इसी दौरान 10 से 12 मोटरसाइकिलों पर सवार 25 से 30 लोग मौके पर पहुंचे और लाठी-डंडों तथा प्यास्टिक रॉड से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की पार्टी का आरोप है कि इस घटना में कई कार्यकर्ता घायल हुए और धरना स्थल पर उपद्रव किया गया

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पुलिस को दी गई शिकायत में मंगल लोधी, सुनील लोधी, आजाद लोधी, सोरब लोधी, जीवन लोधी, असवेन्द्र लोधी, कपूर लोधी और आकाश लोधी सहित अन्य लोगों के नाम आरोपी के रूप में दर्ज कराए गए थे इसके बावजूद पुलिस ने केवल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जिससे पीड़ित पक्ष में नाराजगी है पिछोर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने दावा किया कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्य पुलिस के पास उपलब्ध हैं जिनके आधार पर आरोपियों की पहचान की जा

सकती है उन्होंने आरोप लगाया कि पर्याप्त साक्ष्य होने के बावजूद नामजद आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है साथ ही उन्होंने क्षेत्र में बढ़ते अपराधों और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा पार्टी नेताओं के अनुसार चार दिन तक धरना जारी रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को ग्वालियर होते हुए भोपाल तक ले जाया जाएगा फिलहाल पुलिस की ओर से इस मामले में विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

समय पर मिला खाद-बीज, सीमांत किसान नरेन्द्र सिंह की खरीफ खेती को मिली नई ताकत



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। खेती में समय पर सही संसाधनों की उपलब्धता ही अच्छे फसल की सबसे बड़ी कुंजी होती है यदि किसानों को बोनी के समय गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और उर्वरक मिल जाए तो उत्पादन बढ़ने के साथ उनकी आर्थिक चिंता भी काफी हद तक कम हो जाती है। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम चैनपुर निवासी सीमांत किसान नरेन्द्र सिंह की कहानी इसी बदलाव की मिसाल है इस खरीफ सीजन में उन्हें सहकारी समिति के माध्यम से समय पर कृषि आदान उपलब्ध हुए, जिससे उनकी खेती को नई गति और बेहतर उत्पादन की उम्मीद मिली है नरेन्द्र सिंह के

पास कुल 1.780 हेक्टेयर कृषि भूमि है जिसमें पूरी भूमि अस्सिंचित है सीमित संसाधनों और आर्थिक परिस्थितियों के कारण हर वर्ष खरीफ सीजन में खेती की तैयारी करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहता था समय पर खाद और बीज की व्यवस्था नहीं होने से बुवाई प्रभावित होने की आशंका बनी रहती थी लेकिन इस बार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, चैनपुर शाखा मनेन्द्रगढ़ ने उनकी इस चिंता को दूर कर दिया। समिति ने उन्हें ऋण सुविधा के माध्यम से खरीफ फसल के लिए आवश्यक कृषि सामग्री उपलब्ध कराई इसमें 50 किलोग्राम की एक बोरी आईपीएल पोटाश (एमओपी), 500 मिलीलीटर की एक बोतल इफको नैनो डीएपी, 45 किलोग्राम की चार बोरी एनएफएल नीम लेपित यूरिया तथा छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम का लोहारी कोरिया धान (एमटीयू-1156) की 30-30 किलोग्राम की दो बोरियां शामिल हैं इन कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता से नरेन्द्र सिंह ने बिना किसी देरी के खेतों की तैयारी और बुवाई शुरू

कर दी नरेन्द्र सिंह बताते हैं कि यदि समय पर खाद और बीज नहीं मिलते तो बुवाई में विलंब होता और इसका सीधा असर फसल उत्पादन पर पड़ता सहकारी समिति के माध्यम से आसानी से कृषि सामग्री मिलने से उनकी आर्थिक चिंता कम हुई है साथ ही गुणवत्तापूर्ण बीज और संतुलित उर्वरकों के उपयोग से उन्हें इस वर्ष बेहतर उत्पादन और आय बढ़ने की पूरी उम्मीद है। वे कहते हैं कि शासन की किसान हितैषी योजनाओं और सहकारी समिति की व्यवस्था ने छोटे किसानों के लिए खेती को आसान बनाया है ऋण सुविधा के कारण उन्हें बाजार से महंगे दामों पर कृषि सामग्री खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ी और समय पर खेती की शुरुआत संभव हो सकी यह सफलता की कहानी बताती है कि किसानों तक समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहकारी समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं शासन की किसान-केंद्रित व्यवस्था का लाभ सीधे खेतों तक पहुंच रहा है।

देवाड़ांड के नए 33/11 केवी उपकेंद्र से शुरू होगी बिजली आपूर्ति, कोचका, सलका और कटकोना को मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में बिजली व्यवस्था को अधिक मजबूत और विश्वसनीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना योजना के तहत ग्राम देवाड़ांड में निर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र से जुड़ी 11 केवी विद्युत लाइन को सोमवार से विद्युत प्रवाह के लिए चालू किया जा रहा है। इस नई व्यवस्था से क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के कार्यपालन अभियंता (संभाग) मनेन्द्रगढ़ ने बताया कि नई 11 केवी लाइन ग्राम कोचका, देवाड़ांड, सलका और कटकोना से होकर गुजरी है विद्युत प्रवाह शुरू होने के बाद इन गांवों में बिजली आपूर्ति पहले की तुलना में अधिक सुदृढ़, स्थिर और

भरोसेमंद होगी। इससे उपभोक्ताओं को बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना योजना के अंतर्गत जिले में लगातार बिजली नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है नए उपकेंद्र और विद्युत लाइनों के निर्माण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण एवं पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और छोटे व्यवसायों को भी बेहतर विद्युत सुविधा मिल सके कार्यपालन अभियंता ने क्षेत्र के नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि विद्युत लाइन में प्रवाह शुरू होने के बाद सभी लोग सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

पीएम एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह में लेटरल एंट्री से प्रवेश का मौका

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित पीएम एकलव्य आदर्श सह-शैक्षणिक आवासीय विद्यालय, पोड़ीडीह में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए लेटरल एंट्री (Lateral Entry) के माध्यम से कक्षा 7वीं एवं 11वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं विद्यालय प्रबंधन ने इच्छुक एवं पात्र छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है। विद्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विकासखंड खड़गावा स्थित इस आवासीय विद्यालय में कक्षा 7वीं की कुल तीन रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा इनमें एक सीट बालक तथा दो सीटें बालिकाओं के लिए निर्धारित हैं। वहीं कक्षा 11वीं में कुल चार रिक्त सीटें उपलब्ध हैं जिनमें तीन सीटें बालकों तथा एक सीट बालिका के लिए आरक्षित है प्रबंधन के अनुसार कक्षा 7वीं में प्रवेश चयन परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जबकि कक्षा 11वीं में प्रवेश कक्षा 10वीं की परीक्षा में प्राप्त अंकों एवं मेरिट सूची के आधार पर होगा इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित 14 जुलाई 2026 तक विद्यालय कार्यालय में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं कक्षा 7वीं के लिए प्रवेश परीक्षा 17 जुलाई 2026 को विद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी परीक्षा का समय सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है परीक्षा में सफल

अभ्यर्थियों को नियमानुसार प्रवेश प्रदान किया जाएगा। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित पीएम एकलव्य आदर्श सह-शैक्षणिक आवासीय विद्यालय, पोड़ीडीह में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए लेटरल एंट्री (Lateral Entry) के माध्यम से कक्षा 7वीं एवं 11वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं विद्यालय प्रबंधन ने इच्छुक एवं पात्र छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है। विद्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विकासखंड खड़गावा स्थित इस आवासीय विद्यालय में कक्षा 7वीं की कुल तीन रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा इनमें एक सीट बालक तथा दो सीटें बालिकाओं के लिए निर्धारित हैं। वहीं कक्षा 11वीं में कुल चार रिक्त सीटें उपलब्ध हैं जिनमें तीन सीटें बालकों तथा एक सीट बालिका के लिए आरक्षित है प्रबंधन के अनुसार कक्षा 7वीं में प्रवेश चयन परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जबकि कक्षा 11वीं में प्रवेश कक्षा 10वीं की परीक्षा में प्राप्त अंकों एवं मेरिट सूची के आधार पर होगा इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित 14 जुलाई 2026 तक विद्यालय कार्यालय में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं कक्षा 7वीं के लिए प्रवेश परीक्षा 17 जुलाई 2026 को विद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी परीक्षा का समय सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है परीक्षा में सफल



नर्मदापुरम में शराब तस्करी पर आबकारी का दोहरा शिकंजा 17 घंटे में दो कारों से 16 पेटियां जब्त, कट्टा दिखाकर भागा एक आरोपी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में रविवार को 17 घंटे के भीतर आबकारी एडीईओ आरपी अहिरवार के नेतृत्व में टीम ने बांद्रामान रोड घानाबढ़ और हरदा रोड एसपीएम गेट नंबर 1 के पास से शराब तस्करी करते दो कार को पकड़ा, जिसमें 16 पेटी शराब मिली। बांद्रामान में आबकारी टीम के खड़े होने की भनक लग जाने से तस्कर अंधेरे में गाड़ी छोड़कर भाग निकले। वहीं एसपीएम गेट नम्बर 1 के पास गाड़ी पकड़ने के दौरान आबकारी के साथ शराब ठेकेदार के साथ कर्मचारी भी शामिल थे। इस दौरान कुछ दूरी तक पहले पीछा किया गया। गाड़ी में बैठे दो आरोपियों में से एक ने देशी कट्टा (पिस्तौल) भी निकाल दिखाया। फिर गाड़ी रुकते ही आबकारी टीम ने तस्करों को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन झड़प के बाद एक आरोपी मौके से भाग निकला। दूसरे आरोपी दीपक अहिरवार निवासी नर्मदापुरम को पकड़ लिया। देशी कट्टा सामने आने से रात 10 बजे आबकारी अधिकारी ने 7 पेटी शराब, एक आरोपी, गाड़ी और देशी कट्टा देहात थाना पुलिस को कार्रवाई के लिए सौंपा। मामले में पुलिस ने रविवार सोमवार की दरम्यानी देर रात 1 बजे अवैध शराब तस्करी और आर्मस् एक्ट का केस दर्ज किया।

सवालखेड़ा शराब ठेके से लाई गई थी शराब: सहायक आबकारी अधिकारी अहिरवार ने बताया पृछ्ताछ में आरोपी दीपक अहिरवार ने सांबलखेड़ा की शराब दुकान से यह शराब की पेटियों को रखकर लाने की बात कही। सफेद रंग की बलेनो गाड़ी को चलाने वाला आरोपी भाग गया है। नाकाबंदी से 200 मीटर दूर गाड़ी छोड़कर भागे तस्कर ग्राम बांद्रामान घानाबढ़ हाईवे पर आबकारी टीम के नाकाबंदी कर अवैध शराब पकड़ने की तैयारी में थी। लेकिन तस्करों को इसकी भनक लग जाने से नाकाबंदी से 200 मीटर दूर तस्करों ने गाड़ी मोड़कर शराब की पेटियों से रखी वैगनआर गाड़ी छोड़कर तस्कर भाग निकले। कुछ देर बाद जब वृत्त प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी आरपी अहिरवार, मुख्य आरक्षक दुर्गाप्रसाद मांडी, रघुवीरप्रसाद निमोदा और आरक्षक सुरेश सिकरिया ने लावारिस खड़ी गाड़ी चेक किया तो उसमें शराब की 17 पेटियां रखी नजर आई। खोलने पर 87 लीटर देसी मदिरा और बीयर बरामद की गई। अज्ञात आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण कायम कर किया गया।

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया से गिरी, 10 घायल डॉक्टर बोले-3 महिलाओं की हालत गंभीर; 10 साल के बच्चे को भी चोट



मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। सोमवार सुबह इटारसी के जमानी-तीखड़ की खरा नदी के पुल पर मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरी। हादसे में करीब 10 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से 3 महिलाएं और 10 साल बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रैक्टर-ट्रॉली में 25 से 30 मजदूर सवार थे। ये सभी मजदूर माना गांव से अशोक चौधरी के खेत में मक्का लगाने के लिए जा रहे थे। ट्रैक्टर को अशोक चौधरी के दामाद लौट चला रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चलते समय ट्रैक्टर का अगला लिफ्ट/हिस्सा अचानक खुल गया, इस वजह से ट्रैक्टर का आगे का हिस्सा उड़ गया जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा और ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया से नीचे गिर गई।

राहगीरों ने घायलों को बाहर निकाला: हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों और राहगीरों ने तुरंत घायलों को बाहर निकाला और इटारसी के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। घायलों में मीटिया भाई का बायां हाथ फ्रैक्चर हो गया है। 10 साल के छोटेबालक कमलेश के सिर और कान के पास गंभीर चोट आई है। कालीबाई के माथे पर गहरी चोट लगने से दो टांके लगाए गए हैं। मंगाबाई के सिर और पैर में, सुनीताबाई की कमर में, शीलाबाई पति राजू के पैर और छाती में, रूबी पिता सत्यनारायण की कमर में और दीपा पिता सेपाल के पैर में गंभीर चोटें आई हैं। अन्य घायल मजदूरों का भी इलाज जारी है।

तीन महिला मजदूरों की हालत गंभीर: डॉक्टरों के अनुसार, तीन महिला मजदूरों की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों का उपचार इटारसी के शासकीय अस्पताल में चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही अस्पताल की अधीक्षक डॉक्टर भी मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची है।

सिमरोदा में ग्रामीणों को साइबर ठगी से बचने की सीख

मीडिया ऑडीटर, उमरावगंज (निप्र)। पुलिस आमजन को डिजिटल और साइबर सुरक्षा के लिए सेफ क्लीन 2.0 अभियान चला रही है। पुलिस चौराहा, बाजार, स्कूल, सार्वजनिक जगहों पर लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाने के लिए जागरूक कर रही है। अभियान के तहत उमरावगंज थाना प्रभारी वीरेंद्र विश्वकर्मा ने थाना क्षेत्र के ग्राम सिमरोदा में ग्रामीणों को साइबर अपराध के बड़ते मामलों को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी फर्जी कॉल, एसएमएस, ऑनलाइन लोन, निवेश, बैंक केवाईसी अपडेट, फर्जी नौकरी, ओटीपी, वयुआर कोड, संदिग्ध लिंक के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। उन्होंने अपील की कि किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ बैंक या निजी जानकारी साझा न करें। मौके पर गांव के ज्यादातर लोग मौजूद रहे।

शराब दुकान में घुसे चोर, कर्मचारी के जागने पर भागे

मीडिया ऑडीटर,बासवा (निप्र)। गांव में शनिवार की दरम्यानी रात चोरों ने शराब दुकान को निशाना बनाने का प्रयास किया। चोरों ने दुकान में लगे टीनशेड की दीवार के रूख खोले और अंदर घुस गए। हालांकि, अंदर आवाज सुनते ही वहां सो रहा कर्मचारी जाग गया और जोर से चिल्लाया। आवाज सुनकर चोर तुरंत मौके से रफूटकर हो गए। कर्मचारी ने बताया कि शक्ति चोरों ने चोरी से पहले दुकान के लाइट और सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए थे।

कंपनी गोदाम से बिजली वायर चुराने वाले दो कर्मचारी गिरफ्तार सीसीटीवी फुटेज से खुला मामला, 40 हजार रुपए के वायर बरामद हुए

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की जनआध्या एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की गोदाम से बिजली वायर चोरी करने वाले दो कर्मचारियों को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी वारदात करते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। पृछ्ताछ के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बिजली वायर जब्त किया है। कंपनी के डायरेक्टर फरियादी अंकित चौरसिया निवासी पुरव्याऊ टोरी ने 3 जुलाई को मोतीनगर थाने में शिकायत की। शिकायत में बताया कि उनकी कंपनी का गोदाम पंडापुरा स्थित ज्वाला देवी मंदिर के पास बाधराज वार्ड में है, जहां बिजली के वायर के बंडल रखे थे। रात करीब 8 बजे फरियादी अपने सहयोगी अजीज रहमान खान के साथ गोदाम पहुंचे। वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। फुटेज में कंपनी में कार्यरत कर्मचारी आदर्श



रजक और तरुण जाटव बैग में बिजली के वायर के तीन बंडल रखकर गोदाम से चोरी कर ले जाते हुए दिखाई दिए। चोरी गए वायर की अनुमानित कीमत करीब 40 हजार रुपए थी। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। पृछ्ताछ के बाद आरोपियों को कोर्ट पेश किय मामले की जांच करते हुए रविवार को पुलिस ने आरोपी आदर्श पिता राजेन्द्र रजक उम्र 26 वर्ष और तरुण पिता रविशंकर जाटव उम्र 20 वर्ष दोनों निवासी मढ़िया विट्ठल नगर कैट हिरासत में लिया। थाने लाकर पृछ्ताछ की गई। पृछ्ताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात करना स्वीकार की। उनके कब्जे से चोरी गए बिजली के वायर बरामद किए गए। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि बिजली वायर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पृछ्ताछ के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

सीहोर में पिछले साल से बेहतर बरसा मानसून इस सीजन में 11.10 इंच बारिश दर्ज, आधा सबसे आगे, श्यामपुर सबसे पीछे

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून सक्रिय बना हुआ है। भू-अभिलेख शाखा की दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून से अब तक जिले में औसतन 11.10 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 9.66 इंच वर्षा हुई थी, जिससे इस बार बेहतर बारिश दर्ज की गई है। 24 घंटों के दौरान जिले के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। सर्वाधिक 0.24 इंच वर्षा श्यामपुर क्षेत्र में दर्ज की गई। रेहटी में 0.18 इंच और जिला मुख्यालय सीहोर में 0.02 इंच बारिश हुई। आधा, जावर, इछवर, भैरुदा और बुधनी विकासखंडों में इस अवधि में कोई बारिश नहीं हुई। चालू सीजन में अब तक आधा विकासखंड में सर्वाधिक 15.75 इंच वर्षा दर्ज हुई है। इसके बाद भैरुदा में 14.45 इंच, जावर में 12.74 इंच और इछवर में 12.56 इंच बारिश हुई है। वहीं, रेहटी में 9.22 इंच, सीहोर मुख्यालय पर 9.07 इंच और बुधनी में 8.39 इंच वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सबसे कम बारिश श्यामपुर क्षेत्र में हुई है, जहां यह आंकड़ा 6.65 इंच है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में जिले में अच्छी बारिश की संभावना जताई है, जिससे वर्षा के आंकड़ों में और वृद्धि होने की उम्मीद है।



एमपी-यूपी बॉर्डर पर ट्रक-बस की भिड़ंत 10 से ज्यादा यात्री घायल; दो की हालत गंभीर, सागर रेफर



मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। एमपी-यूपी बॉर्डर पर स्थित पीरघाट पुल पर सोमवार सुबह ट्रक और स्लीपर बस की टक्कर हो गई। हादसे में 10 से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। गंभीर घायलों को सागर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। ट्रक्कर से बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के

नुकाला खिमलासा की डायल 112 टीम और स्थानीय लोगों की मदद से घायल यात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायलों को बीना सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है। घायलों को बीना सिविल अस्पताल लाया गया। इनमें ललितपुर निवासी गृद्धि पति मानिकचंद (65) और हरिराम पिता नाथुराम प्रजापति (50) को प्राथमिक इलाज के बाद सागर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उमा पति अशोक तिवारी (50) निवासी उज्जैन को बीना सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायल बोले- तेज धमाके के बाद खुली नौद कुछ अन्य घायल यात्री निजी वाहनों से इलाज के लिए अन्य स्थानों पर चले गए।

छतरपुर में शराब दुकानों की नीलामी, अधिकांश घाटे में गई:सिर्फ राजनगर समूह फायदे में बिका, प्रस्ताव अब आबकारी कमिश्नर की मंजूरी के लिए भेजे गए

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में आबकारी विभाग ने दो लाईसेंसी ठेकेदारों द्वारा सरेंडर की गई शराब दुकानों की रविवार को फिर से नीलामी की। इस प्रक्रिया में केवल एक समूह को छोड़कर अधिकांश शराब दुकानें घाटे में नीलाम हुईं। नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसे आबकारी कमिश्नर की स्वीकृति के लिए भेजा गया है। आबकारी विभाग के अनुसार, छतरपुर क्रमांक-1 समूह की नीलामी में परशुराम शिवहरे ने 21 करोड़ 50 लाख रुपए की सर्वाधिक बोली लगाई। छतरपुर क्रमांक-2 समूह के लिए पंकज राय ने 22 करोड़ 25 लाख रुपए की बोली के साथ सफलता हासिल की। चंद्रनगर समूह के लिए गिरराज इंफ्रास्ट्रक्चर ने 2 करोड़ 99 लाख 9 हजार 999 रुपए की बोली लगाई। राजनगर समूह की नीलामी में रवि कुमार द्विवेदी ने 4 करोड़ 81 लाख



रुपए की बोली लगाई। हरपालपुर अंग्रेजी समूह के लिए महाकाल ट्रेडिंग कंपनी ने 1 करोड़ 82 लाख 82 हजार रुपए की बोली लगाई, जबकि हरपालपुर देशी

समूह 1 करोड़ रुपए में नीलाम हुआ। खजुराहो समूह की दुकान के लिए रामकुमार शर्मा ने 6 करोड़ 35 लाख रुपए की बोली लगाई और बमीथ समूह

की शराब दुकान 9 करोड़ 17 लाख रुपए में रवि द्विवेदी को मिली। राजनगर समूह की दुकान 15% फायदे में : जानकारों के मुताबिक, केवल राजनगर समूह की दुकान ही लगभग 15 प्रतिशत फायदे में नीलाम हुई। इसके विपरीत, हरपालपुर देशी समूह लगभग 49 प्रतिशत और अंग्रेजी समूह लगभग 40 प्रतिशत घाटे में गए।

छतरपुर का नंबर एक समूह 24 प्रतिशत और नंबर दो समूह लगभग 18 प्रतिशत घाटे में रहा। इसी तरह, चंद्रनगर समूह 45 प्रतिशत घाटे में नीलाम हुआ। नीलामी प्रक्रिया संपन्न होने के बाद, संबंधित प्रस्ताव आबकारी कमिश्नर को स्वीकृति हेतु भेजे गए हैं। उनकी मुहर लगते ही नए ठेकेदार इन दुकानों का संचालन शुरू कर देंगे।

इन्हें मिलीं शराब दुकान

- छतरपुर क्रमांक 1 परशुराम शिवहरे 21 करोड़ 50 लाख
- छतरपुर क्रमांक 2 पंकज राय 22 करोड़ 25 लाख
- चंद्रनगर समूह गिरराज इंफ्रास्ट्रक्चर 2 करोड़ 79 लाख 99 हजार 999
- राजनगर समूह रवि कुमार द्विवेदी 4 करोड़ 81 लाख
- हरपालपुर अंग्रेजी महाकाल ट्रेडिंग कंपनी 1 करोड़ 82 लाख 82 हजार
- हरपालपुर देशी अमित अग्रवाल एक करोड़
- खजुराहो रामकुमार शर्मा 6 करोड़ 35 लाख
- बमीथ रवि द्विवेदी 9 करोड़ 17 लाख

अमर्या बजाज ने डच जूनियर ओपन अंडर-13 का खिताब जीता

एम्स्टर्डम ,एजेसी। भारत के उभरते हुए स्कवैश खिलाड़ी अमर्या बजाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डच जूनियर ओपन अंडर-13 लड़कों का खिताब अपने नाम कर लिया है। बजाज ने फाइनल में इंग्लैंड के डैनियल स्टीवेन्सन सहित कई विश्व-स्तरीय खिलाड़ियों को 3-1 से मात दी। इस युवा भारतीय खिलाड़ी ने चैंपियनशिप तक के सफर में दुनिया के प्रमुख स्कवैश देशों के खिलाड़ियों को शिकस्त देते हुए अद्भुत संयम, कौशल और मानसिक मजबूती का परिचय दिया। अमर्या बजाज ने पहले दौर में मिस्त्र के खिलाड़ी पर 3-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। दूसरे दौर में इंग्लैंड के अलैं स्मिथ की कड़ी चुनौती को 3-0 से पार किया। इसके बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर के नंबर 1 खिलाड़ी केलेन लो को 3-0 से हराया, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मिस्त्र के बद्र हसन पर 3-1 से प्रभावशाली जीत हासिल की थी।



अमर्या के लिए सबसे बड़ी चुनौती सेमीफाइनल में आई, जहां उन्होंने एक उच्च-स्तरीय मुकाबले में हंगरी के एलेक्स कोस्ट्यु को एकतरफा अंदाज

में हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहां, अमर्या ने एक और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त इंग्लिश खिलाड़ी को हराकर

प्रतिष्ठित डच जूनियर ओपन खिताब अपने नाम किया था। यह जीत चीन में 2026 एशियन जूनियर चैंपियनशिप में अमर्या के सिल्वर मेडल जीतने के कुछ ही हफ्तों बाद मिली है। सिर्फ 13 साल की उम्र में दो एशियन जूनियर मेडल और अब एक प्रमुख यूरोपीय खिताब जीतने के साथ, अमर्या अंतरराष्ट्रीय जूनियर स्कवैश सर्किट में खुद को स्थापित कर रहे हैं। उनकी डच जूनियर ओपन जीत न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारतीय स्कवैश के लिए भी एक बड़ी कामयाबी है। यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और उन्हें हराने में सक्षम प्रतिभाओं की एक नई पीढ़ी के उदय को उजागर करता है। जैसे-जैसे अमर्या अंतरराष्ट्रीय मंच पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, भारतीय स्कवैश प्रशंसक बड़ी उत्सुकता से देखेंगे कि देश का यह सबसे होनहार युवा खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर अपनी छाप कैसे छोड़ता है।

आगामी एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज की तैयारी में लगे बुमराह

मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मैदान पर लौट आये हैं। बुमराह को इंग्लैंड दौर पर टी20 सीरीज के लिए शामिल नहीं करते हुए ब्रेक दिया गया है। जिससे वह आने वाली टेस्ट सीरीज और एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी तैयारी कर सकें। बुमराह का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है जिसमें वह लाल गेंद से अभ्यास करते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी मैदान पर वापसी से प्रशंसक भी उत्साहित हैं। उनकी यह वापसी टीम इंडिया के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर जब टीम का ध्यान आगामी एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज को देखते हुए रणनीति बना रही है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह आईपीएल में प्रभावित नहीं कर पाए। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भी आराम दिया गया था। अब उनका पूरा ध्यान 14 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद श्रीलंका दौर पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारियों पर है। इसके अलावा, उन्हें एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में भी शामिल किया गया है। बुमराह के लिए इस बार आईपीएल सत्र अच्छा नहीं रहा और वह मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 13 मैचों में केवल 4



विश्व कप 2026 में शानदार वापसी की थी। वह आठ पारियों में 14 विकेट लेकर संयुक्त रूप से टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस दौरान उनका औसत 12.42 और इकोनॉमी 6.21 रही। अब लाल गेंद के साथ उनकी वापसी भारत के आगामी व्यस्त टेस्ट कैलेंडर के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होगी ।

रवि बिश्नोई के नो-बॉल पर फूटा पूर्व दिग्गज का गुस्सा, स्पिन गेंदबाजी कोच पर साधा निशाना

नई दिल्ली ,एजेसी। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में रवि बिश्नोई की महंगी गेंदबाजी और लगातार दो नो-बॉल भारत की हार की बड़ी वजह बनी। इस प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम के नए स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने बिश्नोई से ज्यादा कोच को जिम्मेदार उहाराते हुए कहा कि ऐसी गलती नेट्स में ही सुधारी जानी चाहिए थी।

स्पिनर का नो-बॉल करना अपराध है'

पीटीआई से बातचीत में लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने कहा कि किसी स्पिनर का नो-बॉल फेंकना बेहद गंभीर गलती है। उन्होंने कहा, 'स्पिनर को नो-बॉल नहीं फेंकनी चाहिए। यह अपराध है। बैक-फुट नो-बॉल, यानी रिटर्न क्रीज काटना, ऐसी चीज है जिसे नेट्स में ही पकड़ लेना चाहिए था। साईराज बहुतुले को सबसे पहले उनके रन-अप पर ध्यान देना चाहिए था। सबसे जरूरी है कि गेंदबाज पहले वैध गेंद डाले, उसके बाद अच्छी गेंद डाले।'

इंग्लैंड ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट रोमांचक मुकाबले में मेक्सिको को 3-2 से हराया



नई दिल्ली ,एजेसी। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है। इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दौरे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए। इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने

इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। दोनों गोलों के बीच अंतर सिर्फ 98 सेकंड का रहा। हालांकि, मेक्सिको ने जल्द ही मुकाबले में वापसी की। टीम की ओर से विन्सेन्स ने मैच के 42वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। हालांकि, पहले हाफ के अंत तक इंग्लैंड 2-1 की बढ़त कायम रखने में सफल रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंग्लैंड को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब इंग्लैंड के खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को जोस गैलार्डों को गलत तरीके से चैलेंज करने के कारण रेफरी ने रेड कार्ड दिया। क्वान्सा फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले चौथे इंग्लिश खिलाड़ी बने। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड को बचे हुए मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैच के 60वें मिनट में मेक्सिको के गोलकीपर राउल रेंजेल ने पेनल्टी बॉक्स में एंथनी गॉर्डन को गिरा दिया, जिसके बाद इंग्लैंड को पेनल्टी दी गई। इस पेनल्टी का पूरा फायदा उठाते हुए हैरी केन ने इस विश्व कप में अपना छठ गोल किया और टीम की बढ़त को 3-1 कर दिया। मैच के 69वें मिनट में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ब्रायन गुटिरेज को रोकने के प्रयास में फाउल कर बैठे।

नई दिल्ली ,एजेसी। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है। इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दौरे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए। इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने

विराट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने में सक्षम : कपिल

चंडीगढ़ ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलते रहना था। कपिल के अनुसार विराट का समय से पहले इस प्रारूप से संन्यास का फैसला सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विराट के इस कदम से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने और भारतीय टीम में वापसी करने की पूरी क्षमता मौजूद थी। कपिल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए यह मान्य नहीं रखता कि विराट 10 हजार टेस्ट रन

पूरे करते या नहीं। उनका मानना है कि अगर विराट कुछ समय तक धैर्य दिखाते और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते, तो वह निश्चित रूप से दोबारा भारतीय टीम में जगह बना सकते थे। कपिल देव ने कहा, मैं विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से सहमत नहीं था। यह 10 हजार रन या किसी रिकॉर्ड की बात नहीं थी। मुझे लगता है कि अगर वह छह महीने तक धैर्य रखते और गुस्से में प्रतिक्रिया नहीं देते तो उनके पास टीम इंडिया में वापसी का पूरा अवसर था। कपिल ने साथ ही

कहा कि किसी भी खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है। उनका मानना था कि अगर चयनकर्ता या कप्तान उन्हें मौका नहीं दे रहे थे, तो उन्हें हार मानकर संन्यास लेने की जगह पर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रन बनाकर अपनी जगह दोबारा हासिल करनी चाहिए थी। उन्होंने विश्वास जताया, अगर सेलेक्टर उन्हें नहीं चुनते तो भी कोई बात नहीं थी। अगर कप्तान टीम में जगह नहीं देता तो भी कोई समस्या नहीं थी। उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलकर रन बनाने चाहिए थे।



ब्राजील के विश्वकप से बाहर होने से निराश नेमार ने संन्यास लिया

न्यूजर्सी ,एजेसी। ब्राजील के फीफा विश्व कप 2026 फुटबॉलर टूर्नामेंट से बाहर होने से निराश स्टार स्ट्राइकर नेमार ने खेल को ही अलविदा कह दिया है। पांच बार की विजेता ब्राजील इस बार उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पायी और उसे नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के निर्णायक मुकाबले में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इससे ब्राजील का छठी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। इस अप्रत्याशित हार के साथ ही नेमार का शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर भी अचानक ही समाप्त हो गया। इस स्टार खिलाड़ी के संन्यास से जहां फुटबॉल जगत हैरान हैं वहीं नेमार के प्रशंसक भी हाताश नजर आये। हार के बाद नेमार काफी भावुक नजर आए, जिस स्ट्रेडियम से उन्होंने ब्राजील के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। अब वहीं से अपने करियर को अलविदा कह दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, मैंने प्रयास किया पर



अब अवसर नहीं है। मैंने यहीं से शुरुआत की थी और यहीं इसे खत्म कर दिया। उनका ये बयान गहरी निराशा और ब्राजील के लिए विश्व कप जीतने के अधूरे सपने को दिखाता है। वह पिछले कुछ समय से लगातार चोटों से जूझ रहे थे जो उनके संन्यास का एक बड़ा कारण बना है। गौरतलब है कि नेमार का अंतरराष्ट्रीय सफर साल 2010 में मेटलाइफ स्ट्रेडियम में अमेरिका के खिलाफ ब्राजील की ओर से डेब्यू के साथ शुरू हुआ था।

पद्म विभूषण डॉं तीजन बाई के निधन पर वित्त मंत्रीओपी चौधरी ने जताया गहरा शोक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्रीओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की अमर गाथाकार, पद्मश्री, पद्मभूषण एवं पद्मविभूषण से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय पंडवानी डॉं. गाथिका तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।चौधरी ने कहा कि तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और भारतीय कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपनी अद्वितीय प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई। लोककला के संरक्षण और संवर्धन में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। वित्त मंत्रीओपी चौधरी ने कहा कि इस दुःखद घड़ी में उनकी गहरी संवेदनाएँ शोकाकुल परिजनों एवं उनके असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों और प्रशंसकों को इस कठिन समय में दुःख सहने की शक्ति एवं संबल प्रदान करें।

राज्यपालरमेन डेका ने पद्म विभूषण डॉं. तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपालरमेन डेका ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की अमर स्वर-कोकिला, पद्म विभूषण से सम्मानित एवं विश्वविख्यात पंडवानी गाथिका डॉं. तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में राज्यपाल ने कहा कि डॉं. तीजन बाई का निधन केवल लोककला जगत ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पूरे राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपनी अद्वितीय गायन शैली, असाधारण प्रतिभा और लोक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विशिष्ट पहचान दिलाई। लोककला के क्षेत्र में उनका अतुलनीय योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

राज्यपाल ने कहा कि डॉं. तीजन बाई ने अपना संपूर्ण जीवन लोककला की साधना, संरक्षण और संवर्धन को समर्पित किया। उन्होंने पंडवानी जैसी समृद्ध लोक परंपरा को विश्व मंच तक पहुंचाकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। उनका व्यक्तित्व, कला-साधना और सांस्कृतिक योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए संदेव प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। राज्यपाल ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों, उनके असंख्य प्रशंसकों और समस्त लोककला जगत को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करें।

पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉं. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के 200 सीटर छात्रावास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉं. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 200 सीटर छात्र-छात्रावास/छात्रा- छात्रावास, कैन्सर भवन (ब+2 से ब+6) तथा अन्य आवासीय परिसरों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह 6 जुलाई 2026, सोमवार को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय होंगे, जबकि उपमुख्यमंत्रीअरुण साव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। समारोह में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्रीश्याम बिहारी जायसवाल, वन एवं प्रभारी मंत्री रायपुरकेदार कश्यप, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्रीगुरु खुशवंत साहेब तथा रायपुर सांसदबृजमोहन अग्रवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा विधायकराजेश मृणत,सुनील सोनी,अनुज शर्मा,पुरंदर मिश्रा,मोतीलाल साहू,इन्द्रकुमार साहू, सीजीएमएससीएल के अध्यक्षदीपक म्हस्के तथा रायपुर महापौर मीनल चौबे सहित अनेक जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह समारोह 6 जुलाई 2026, सोमवार को प्रातः 11:00 बजे स्व. अटल बिहारी वाजपेयी सभागार, चिकित्सा महाविद्यालय परिसर, रायपुर में आयोजित होगा। नए छात्रावास एवं आवासीय परिसरों के निर्माण से चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं एवं चिकित्सकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं कैन्सर भवन के विस्तार से प्रदेश में कैन्सर उपचार संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी।

महिला स्व-सहायता समूहों के 'विष्णु भोग' चावल की खुशबू पहुंची पुलिस मुख्यालय तक पुलिस महानिदेशक



अरुण देव गौतम को भेंट किया गया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। गौरैला पेंड्रा मरवाही जिले के प्रवास पर पहुंचे पुलिस महानिदेशकअरुण देव गौतम का स्वागत स्थानीय पहचान और कृषि समृद्धि के प्रतीक 'विष्णु भोग' चावल से किया गया। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने उन्हें जिले की विशिष्ट पहचान माने जाने वाले 'विष्णु भोग' चावल का पैकेट भेंट कर सम्मानित किया। यह चावल जिले में बिहान योजना के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किया जा रहा है, जो ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन का सफल उदाहरण बनकर उभरा है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने पुलिस महानिदेशक को 'विष्णु भोग' चावल की विशेषताओं, उसकी गुणवत्ता तथा इसके उत्पादन और विपणन में महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पहल न केवल स्थानीय कृषि उत्पादों को नई पहचान दिला रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय में भी वृद्धि कर रही है। पुलिस महानिदेशकअरुण देव गौतम ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'विष्णु भोग' चावल केवल एक कृषि उत्पाद नहीं, बल्कि महिलाओं की मेहनत, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसे नवाचार और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से जिले की विशिष्ट पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होती है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिला समूहों द्वारा गुणवत्ता और परंपरा के साथ तैयार किए जा रहे ऐसे उत्पाद भविष्य में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी अलग पहचान बनाएंगे। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिलने से किसानों और महिला समूहों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा, जिससे ग्रामीण विकास को भी गति मिलेगी।

आईएफसी नर्सरी बनी किसानों की उम्मीद

आईएफसी नर्सरी बनी किसानों की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन -बिहान- के अंतर्गत जनपद पंचायत धमतरी द्वारा संचालित आईएफसी परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन का प्रभावी मॉडल बनकर उभर रही है। सद्भावना महिला संकुल स्तरीय संगठन, दोनर के सहयोग से संचालित आजीविका सेवा केंद्र (नर्सरी इकाई) आज किसानों और महिला स्व-सहायता समूहों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौधों का विश्वसनীয় स्रोत बन चुकी है। इस पहल ने न केवल किसानों को समय पर स्वस्थ पौधे उपलब्ध कराए हैं, बल्कि वैज्ञानिक खेती, जैविक उत्पादन और महिला सशक्तिकरण को भी नई दिशा दी है। पहले किसानों को सब्जी एवं फलदार पौधों के लिए दूर-दराज के बाजारों पर निर्भर रहना पड़ता था। कई बार समय पर पौधे उपलब्ध नहीं होने या निम्न गुणवत्ता के कारण उत्पादन प्रभावित होता था। आईएफसी नर्सरी की स्थापना के बाद यह स्थिति बदली है। अब स्थानीय स्तर पर ही प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण पौधे तैयार कर किसानों तक समय पर पहुंचाए जा रहे हैं, जिससे खेती की लागत कम हुई है और उत्पादन का संभावनाएं बढ़ी हैं। नर्सरी इकाई में टमाटर, मिर्च, बैंगन, फूलगोभी, करेला, मूंगफा (सहजन), पपीता, कटहल, नांरियल सहित विभिन्न सब्जी एवं फलदार पौधों की उन्नत पौध तैयार की जा रही है। इन



पौधों का वितरण उत्पादक समूहों एवं क्लस्टरों के माध्यम से विभिन्न ग्रामों के किसानों तक किया जाता है। इससे क्लस्टर आधारित सब्जी उत्पादन को बढ़ावा मिला है और किसानों ने वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाना शुरू किया है। इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि नर्सरी का संचालन महिला

नर्सरी इकाई द्वारा 38,100 गुणवत्तापूर्ण पौधों का उत्पादन एवं वितरण किया गया है, जिससे 1,15,150 की आय अर्जित हुई। यह उपलब्धि महिला स्व-सहायता समूहों, ग्राम संगठन, उत्पादक समूहों, आईएफसी एंकर तथा क्लस्टर टीम के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। इस पहल से किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौधों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ-साथ जैविक खेती, पोषण वाटिका, फसल विविधीकरण तथा वैज्ञानिक खेती की अनुशंसित तकनीकों को भी बढ़ावा मिल रहा है। बेहतर गुणवत्ता के पौधों के कारण फसलों की वृद्धि, उत्पादन एवं आय में सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। यह उल्लेखनीय पहल कलेक्टरअंबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारीगजेन्द्र सिंह

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक : पीएम जनमन आवास योजना ने सरिता बैगा के जीवन में भरी खुशियों की नई रोशनी

साय सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर असरसाय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन का जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जब अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है, तब वह केवल एक योजना नहीं बल्कि किसी परिवार के जीवन में परिवर्तन की नई कहानी बन जाती है। गौरैला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरैला विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी की सरिता बैगा का जीवन इसका प्रेरक उदाहरण है। प्रधामंत्री जनमन आवास योजना और महतारी वंदन योजना के समन्वित लाभ से उनका परिवार आज सुरक्षित आवास, आर्थिक संबल और सम्मानजनक जीवन की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। पहले सरिता बैगा का परिवार



एक कच्चे मकान में रहता था। बरसात शुरू होते ही पूरे परिवार की चिंता बढ़ जाती थी। खपरैल की छत से पानी टपकता था, दीवारों ने नमी भर जाती थी और हर वर्ष छत की मरम्मत तथा खपरैल बदलने पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता था। छोटे बच्चों के साथ बारिश के दिनों में सुरक्षित रहना भी एक बड़ी चुनौती थी। मुख्यमंत्रीविष्णु देव

साय के नेतृत्व में प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप सरिता बैगा के परिवार को पीएम जनमन आवास योजना के तहत पक्का आवास स्वीकृत हुआ। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा ग्रामीण विकास विभाग के समन्वित प्रयासों से योजना का लाभ समय पर मिला और आज उनका परिवार एक मजबूत, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त पक्के घर में रह रहा है। नए आवास ने केवल उनके रहने की व्यवस्था नहीं बदली, बल्कि पूरे परिवार के जीवन में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना भी बढ़ाई है। अब बारिश का मौसम उनके लिए

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से अनीता चौधरी बनीं ऊर्जादाता

3 किलोवाट रूफटॉप सोलर संयंत्र से बिजली बिल हुआ शून्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार की संयुक्त पहल से संचालित इस योजना का लाभ लेकर सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत कठौं की निवासी अनीता चौधरी अब केवल बिजली की उपभोक्ता नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा का उत्पादन कर ऊर्जादाता बन गई हैं। अनीता चौधरी ने बताया कि पहले हर माह बढ़ते बिजली बिल का भुगतान उनके परिवार के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन जाता था। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप



सोलर संयंत्र स्थापित कराया। इसके बाद उनके घर की बिजली आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी होने लगी और उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया। उन्होंने बताया कि घरेलू उपयोग के बाद बची अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जा रही है, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है। इस योजना से उनके परिवार का मासिक खर्च कम हुआ है और बिजली बिल की चिंता पूरी तरह समाप्त हो गई है।

पद्म विभूषण तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि: छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की अमर आवाज़ हुई शांत



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण सम्मानित प्रख्यात पंडवानी गाथिका तीजन बाई का रविवार तड़के रायपुर एम्स में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थीं। उनके निधन से छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश और विश्व की लोक कला जगत में शोक की लहर है। उनके निधन पर प्रदेश के संस्कृति मंत्रीराजेश अग्रवाल ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्कृति मंत्रीराजेश अग्रवाल ने अपने शोक संदेश में कहा कि तीजन बाई केवल एक लोक कलाकार नहीं थीं, बल्कि

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान की जीवंत प्रतीक थीं। उन्होंने अपनी अद्भुत कला, दमदार प्रस्तुति और समर्पण से पंडवानी जैसी लोकविधा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित किया। उनका निधन प्रदेश और देश की सांस्कृतिक दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों और असंख्य प्रशंसकों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। वरिष्ठ परिवार से निकलकर विश्व मंच तक का प्रेरणादायी सफर 24 अप्रैल 1956 को दुर्ग जिले के गनियारी गांव में जन्मी तीजन बाई का बचपन बेहद साधारण परिस्थितियों में बीता।

डॉ. तीजन बाई के सम्मान में गनियारी के शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का होगा नामकरण डू शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

शिक्षा मंत्री ने दी पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि, उनकी अंतिम संस्कार में रहे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्कूल शिक्षा मंत्रीगजेन्द्र यादव ने आज विश्वविख्यात पंडवानी गाथिका, पद्मविभूषण से सम्मानित एवं छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की अग्रिम धरोहर डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित निवास पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरंत वे उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए तथा दाह संस्कार कार्यक्रम तक उपस्थित रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने घोषणा किया कि उनके गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण -डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी- के नाम से किया जाएगा। शिक्षा मंत्रीयादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी

दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों एवं असंख्य प्रशंसकों को इस दुःख की घड़ी में संबल देने की प्रार्थना की। मंत्रीयादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का संपूर्ण जीवन लोकपरंपराओं, संस्कृति और कला के संरक्षण एवं संवर्धन के



अद्वितीय कला-साधना, ओजस्वी वाणी और आजीवन समर्पण के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के एक स्वर्णिम अध्याय का अवसान है। उन्होंने ईश्वर से

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहचान बना PHC चेरपाल



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बीजापुर जिले का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) चेरपाल अब गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहचान बन गया है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) के तहत हुए बाह्य मूल्यांकन के स्वास्थ्य केंद्र ने सफलतापूर्वक सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कर जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता स्वास्थ्य विभाग की बेहतर कार्यप्रणाली, टीमवर्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने

की प्रतिबद्धता का परिणाम है। दो दिनों तक हुआ विस्तृत मूल्यांकन 03 और 04 जुलाई 2026 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र नई दिल्ली की विशेषज्ञ टीम ने चेरपाल के विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान सामान्य प्रशासन, ओपीडी, आईपीडी, प्रयोगशाला, लेबर रूम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन, संक्रमण नियंत्रण, दवा प्रबंधन, स्वच्छता, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं तथा अभिलेखों का गहन परीक्षण किया